(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

मंगलवार, 14 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 269 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

विक्रम गोखले के साथ काम करना ...8

सीएम योगी का पुलिस को निर्देश-थानों पर करें जनता की सुनवाई वर्ना होगी सख्त कार्रवाई

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों में आने वाली जनता की शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। लेकिन टालमटोल एवं जानबूझ कर विलम्ब करने वालों पर कार्रवाई करें। इसकी नियमित समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायकर्ता को उसकी शिकायत पर की गई कार्रवाई से संतुष्ट कराने की कोशिश होनी चाहिए न कि उसे टालने की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हिन्दू सेवाश्रम में जनता दर्शन में 150 एवं यात्री निवासी में 250 लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर के प्रधान कार्यालय के समीक्ष लालकक्ष में बैठक कर 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं एवं आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। सुनवाई का यह सिलसिला सुबह 7.30 बजे से शुरू हुआ तो तकरीबन 8.30 बजे तक जारी रहा। हिन्दू सेवाश्रम में सुनवाई के दौरान काफी संख्या में पुलिस थानों से संबंधित शिकायतें मिली। फरियादियों ने आरोप लगाया कि थाने में बार–बार शिकायत के बाद भी उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। इसके अलावा काफी सख्या में मामले राजस्व से जुड़े आए। सीएम योगी

आदित्यनाथ ने कमिश्नर रवि कुमार एनजी से कहा कि तहसील दिवस एवं थाना दिवस को अत्यंत गंभीर से लिया जाए। इसके अलावा थानों एवं तहसीलों में आने वाली शिकायतों को निस्तारण भी त्वरित, गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। यानी शिकायतकर्ता को उसके मामले में की गई कार्रवाई से संतुष्ट किया जाना चाहिए। मण्डलायुक्त रवि कुमार एनजी, डीएम विजय किरण आनंद, एसएसपी विपिन टाडा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम गौरापार सरया तिवारी निवासी वासुदेव, दुर्गविजय और दुर्गेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी–अपनी बच्चियों के ईट ठ्ठे पर बारिश के पानी से बने गढ्ढे में डूब कर मौत हो जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में खजनी थाना में मुकदमा भी दर्ज है। उन्होंने बताया कि जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में नियुक्त लिपिक का पटल बदल दिया गया लेकिन डीएम के आदेश के अनुपालन में न तो स्थानांतरण हुआ न ही विजिलेंस जांच के लिए लिखा गया। विभाग ने शिकायकर्ताओं के लिखित बयान भी दर्ज करा लिए हैं। डीएम ने सीएम को बताया कि इस मामले में निर्देश दिए जा चुके हैं।

उनकी बेटियों को पोस्टमार्टम भी हुआ था लेकिन किसी तरह की आर्थिक मदद अब तक नहीं मिली है। 2 जून को हुए इस हादसे पर रिपोर्ट बना कर उनकी जानकारी के मुताबिक शासन को भेजा चुका है। सीएम ने डीएम को नियमानुसार कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

उर्वरक लिपिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

आईएफएफडीसी व इफको उर्वरक विक्रेता संघ के अध्यक्ष प्रकाश सिंह एवं प्रतिनिधि मण्डल ने जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

सीएम साहब! गैंगेस्टर वन माफिया नहीं होने दे रहा समिति का चुनाव

धानी समाजोत्थान मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड मूसाबार गुलरिया विकास खण्ड माफिया गैंगेस्टर जैसराम के ध मकी देने की शिकायत सीएम योगी आदित्यनाथ ने की गई। पीड़ित ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। शुल्क भी जमा करा रसीद काटी जा चुकी है लेकिन गैंगेस्टर जैसराम पुत्र मुन्नीलाल ने धमकी दे रहा है कि चुनाव कराओगे तो जान से मार डालेंगे। इस धमकी के बाद सचिव ने चुनाव कराने से इनकार कर दिया है। समिति के सचिव राजू प्रसाद ने कहा कि चुनाव अधिकारी को प्रशासनिक सुरक्षा प्रदान कर चुनाव कराया जाए।

दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके की चार मंजिला इमारत ढही, कई लोगों के फंसे होने की संभावना

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में बड़ा

हादसा हो गया है। आपको बता दें कि सब्जी मंडी इलाके की चार मंजिला इमारत अचानक से ढह गई। जिसके मलबे में कई लोगों के फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग को सुबह 12 बजे के करीब इमारत गिरने की जानकारी मिली। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक एक व्यक्ति को बचा लिया गया है और उसे उपचार के लिए अस्पाताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि इमारत रिहायशी इलाके में मौजूद थी और उसके पहली और दूसरी मंजिल में कई परिवार रहते थे। फिलहाल राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 27,254 नए मामले, 219 और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 27,254 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 3,32,64,175 हो गए। इसका साथ ही उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,74,269 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों में सोमवार को यह जानकारी सामने आई। सुबह आठ बजे प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कोविड–19 से 219 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या 4,42,874 पर पहुंच गई। मंत्रालय के अनुसार पिछले 78 दिन से प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की संख्या 50 हजार से कम देखी गई है। मंत्रालय ने कहा कि उपचाराध ीन मरीजों की संख्या घटकर 3,74,269 रह गई है जो संक्रमण की कुल संख्या का 1.13 प्रतिशत है। देश में कोविड–19 से पीड़ित होने के बाद ठीक होने वाले लोगों की दर 97.54 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 10,652 गिरावट देखी गई। रविवार को देश में 12,08,247 नमूनों की कोविड–19 जांच की गई। अब तक कुल 54,30,14,076 नमूनों की जांच हो चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि दैनिक संक्रमण की दर 2.26 प्रतिशत दर्ज की गई जो कि पिछले 14 दिन से तीन प्रतिशत से कम और पिछले 97 दिन से अब तक पांच प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 2. 11 प्रतिशत है। यह आंकड़ा पिछले 80 दिन से तीन प्रतिशत से कम है। महामारी से पीड़ित होने के बाद ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,24,47,032 हो गई है। कोविड–19 के कारण होने वाली मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक कोविड रोधी टीके की 74.38 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस का निधन, लंबे समय से अस्पताल में थे भर्ती

बेंगलुरू। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑस्कर फर्नांडिस का सोमवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बता दें कि जुलाई के महीने में योग करते समय उनके सिर में चोट लगने के बाद उन्हें मंगलुरु के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां पर उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। कांग्रेस ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। गांधी परिवार के करीबी थेः मुश्किल से मुश्किल हालातों को बड़ी सादगी से संभालने वाले ऑस्कर फर्नांडिस कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बेहद करीबी लोगों में शामिल थे। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के संसदीय सचिव रह चुके हैं। उन्होंने मनमोहन सिंह सरकार में सड़क–परिवहन मंत्रालय का जिम्मा भी संभाला है। आपको बता दें कि ऑस्कर फर्नांडिस अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष भी थे। इससे पहले एआईसीसी महासचिव थे। राज्यसभा सांसद थे ऑस्कर फर्नांडिसः ऑस्कर फर्नांडिस अभी भी राज्यसभा सांसद थे। ऑस्कर फर्नांडिस साल 1980 में कर्नाटक के उडुपी निर्वाचन क्षेत्र से 7वीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। उसके बाद 1984, 1989, 1991 और 1996 में भी लोकसभा चुनाव जीता था और फिर साल 1998 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

गुजरात के 17वें मुख्यमंत्री बने भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर। भाजपा विधायक दल के नेता भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत इत्यादि नेतागण मौजूद रहे। भूपेंद्र पटेल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लिए जाने के बाद अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने उन्हें बध ाई दी। इसी के साथ भाजपा आगामी विधानसभा

चुनाव भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में लड़ेगी। आपको बता दें कि कुछ वक्त पहले भाजपा ने विजय रूपाणी और नितिन पटेल के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कही थी लेकिन विजय रूपाणी ने शनिवार को अचानक ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कौन हैं भूपेंद्र पटेल ?: आपको बता दें कि पटेल को मृदुभाषी कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने नगरपालिका स्तर के नेता से लेकर प्रदेश की राजनीति में शीर्ष पद तक का सफर तय किया है। पटेल 2017 के विधानसभा चुनाव में राज्य की घाटलोडिया सीट से पहली बार चुनाव लड़े थे और जीते थे।

सचिन पायलट को लेकर किरोड़ी लाल मीणा ने दिया बड़ा बयान, कहा- कांग्रेस में घुट रहा उनका दम

भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट को लेकर ऐसा बयान दिया है जिससे आने वाले समय में राजनीतिक भूचाल मच सकता है। टोंक विधायक सचिन पायलट को लेकर बड़ा बयान देते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस में उनका दम घुट रहा है। इतना ही नहीं, मीना ने आगे कहा कि भाजपा ही उनके लिए सही विकल्प है। भाजपा में स्वागत : किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि

सचिन पायलट भाजपा में आकर स्वच्छंद विचरण करें। डराने–ध मकाने वाली कांग्रेस में सचिन पायलट का क्या काम है। पायलट हमारे लिए मेहमान है। उन्होंने कहा कि पायलट हमारे घर आए, उन्हें कौन मना कर रहा है। हम सभी उनका स्वागत करेंगे। हालांकि टोंक जिले को रेल की सौगात के चुनावी वायदे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पायलट में दावा किया था कि वह यहां एयरपोर्ट और रेल लाएंगे। जब वह अपने वादे का काम नहीं कर पा रहे हैं तो ऐसी सरकार का क्या फायदा? किसान आंदोलन पर यह कहाः किरोड़ी लाल मीणा ने किसान आंदोलन पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन पूरी तरह से भटक गया है। किसान अब राजनीतिक दलों के हथियार बन गए हैं।

मायावती की पार्टी के लोगों से बाढ़ पीडितों को बेसहारा नहीं छोड़ने की अपील

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बाढ़ के कारण हुई तबाही पर दुख जताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों की सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा–हवाई है। उन्होंने पार्टी के लोगों से अपील की कि वे बाढ़ पीडितों की मदद करें। मायावती ने ट्वीट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के खासकर पूर्वांचल में बाढ़ के कारण इस वर्ष फिर व्यापक तबाही व बर्बादी से लाखों परिवारों का जीवन अति–बेहाल हो गया है। अपेक्षित सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा–हवाई होने से बेघर हुए लोगों का जीवन अति कष्टदायी बना हुआ है, जो बेहद दुःखद। सरकार तुरंत उचित कदम उठाए। उन्होंने एक और ट्वीट में कहा,''स्पष्टतः उचित सरकारी मदद के अभाव में अति–विपदा में जीवन व्यतीत कर रहे लोगों को अपने सामर्थ्य के हिसाब से मदद करने वाले बसपा के लोगों से पुनः अपील है कि वे बाढ़ पीडितों को बेसहारा न छोड़ें तथा उनके प्रति अपनी मानवीय जिम्मेदारी का यथासंभव निर्वहन जारी रखें।

कोरोना के इलाज के लिए गंगा जल बनेगा संजीवनी, BHU के विशेषज्ञों की पढ़ें पूरी रिसर्च

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने भारत की कमर तोड़कर रख दी। दूसरी लहर के दौरान देश में हालात इतने डरावने थे मानों ऐसा लग रहा था कि कल की सुबह देख पाएंगे या नहीं! हर दिन लोग अपनों को खो रही थे। रोजाना फेजबुक पर एक नयी तस्वीर के साथ लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए देखा जा रहा था। कोरोना काल में मरीजों की इतनी बढ़ गयी थी कि अस्पतालों में जगह ही नहीं बची थी। कोरोना की संजीवनी मानी जाने वाली ऑक्सीजन की राज्यों में भारी कमी हो गयी। बड़े–बड़े अस्पतालों में हजारों मरीजों ने ऑक्सीजन की कमी से दल तोड़ दिया था। इस दौरान हालात कुछ ऐसे दर्दनाक थे कि इलाज की कमी से जाने निकलती जा रही थी लेकिन उनके शवों को जलाने के लिए श्मशानों में जमीन कम पड़ रही थी। श्मशान में अपनों का अंतिम संस्कार करने के लिए लोगों को 52–52 घंटे का इंतजार करना पड़ रहा था। कुछ लोगों ने तो हालत की मार पड़ने से अपनों के शव को नदियों में डाल दिया जो बहते–बहते दूसरे राज्यों तक पहुंच गये। दूसरी लहर का मंजर बहुत ही

विभत्समय था। इस हालात में भी कई लोगों का इमान मर चुका था वह ऑक्सीजन और कोरोना की दवाइयों की कालाबाजारी कर रहे थे। कोरोना के इलाज में कारगर साबित हो सकता है गंगा जल : एक तरफ सरकारें कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने में जुटी हैं वहीं दूसरी तरह कोरोना वायरस के इलाज को लेकर तमाम तरह की रिसर्च की जा रही है जिसमें कोरोना से लड़ने के लिए गंगा जल को काफी कारगर माना जा रहा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के तंत्रिकारोग विशेषज्ञों डॉक्टर वीएन मिश्रा और डॉक्टर अभिषेक पाठक ने दावा किया है कि गंगा जल कोविड–19 के इलाज में कारगर साबित हो सकता है।

यहां प्रेस क्लब में रविवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए दोनों विशेषज्ञों ने कहा कि हिमालय के गंगोत्री से निकलने वाली गंगा में''बैक्टीरियोफेज'' की प्रचुर मौजूदगी होती है। बैक्टीरियोफेज शब्द का अर्थ बैक्टीरिया को नष्ट करने वाला होता है। गंगा नदी में पाए जाने वाले बैक्टीरियोफेज बैक्टीरिया और रोगाणुओं को नष्ट कर देते हैं जिससे गंगा नदी के जल की शुद्धता बरकरार रहती है। गंगा नदी में बैक्टीरियोफेज की उपस्थिति के संबंध में विशेषज्ञों ने बताया कि गंगा जल में करीब 1300 प्रकार के बैक्टीरियोफेज की पुष्टि हुई है जो किसी भी नदी की तुलना में अधिक है।

गंगा मिशनः संवाददाता सम्मेलन में मौजूद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन विभाग के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने गंगा जल का इलाज में इस्तेमाल के संबंध ा में क्लिनिकल अध्ययन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि गंगा जल से कोविड–19 के इलाज के संबंध में उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की है जिस पर केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग को नोटिस जारी किया गया है।

भाजपा की सरकार में लोगों में दहशत और महंगाई के साथ अपराधों का बोलबाला:जूही

करनैलगंज(गोंडा)। भाजपा की सरकार में लोगों में दहशत और महंगाई के साथ अपराधों का बोलबाला है। यदि सपा की सरकार बनी तो प्रदेश को भयमुक्त बनाने के साथ ही सभी महिलाओं के खातों में प्रति माह डेढ़ हजार पेंशन दिया जाएगा।यह बात सपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने कही। आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारी को लेकर . किसान इंटर कालेज भँभुआ में समाजवादी पार्टी की सभा आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता महफूज खां व संचालन फहीम अहमदश पप्पू ने किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा जूही सिंह रही। सभा को सम्बोधित करते हुये वह भाजपा सरकार पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि यह सरकार मायावी, बहरुपिया व झूठे लोगों की है। यह कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। पूरे प्रदेश में आतंक फैला है, हत्या, लूट, छिनैती, दुष्कर्म जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। व्यापारी बालिकाएं व महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में निश्चित रूप से सपा की सरकार बनेगी, हमारी सरकार समाजवादी पेंशन के रूप में सभी महिलाओं के खाते में प्रतिमाह 1500 रुपया भेजेगी। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने भाजपा सरकार को हर मोड़ पर फेल बताया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान अस्पतालों में लोगों को जगह नही मिली, दवा, आक्सीजन के अभाव में तमाम मरीज छटपटाकर दम तोड़ दिये। आईटीआई, पालीटेक्निक बन्द पड़े हैं, डीजल, पेट्रोल व सरसो के तेल सहित अन्य दैनिक उपयोगी समान की कीमत आसमान छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा के नेता जनता की सेवा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। वहीं भाजपा सरकार अन्न महोत्सव करके देश की 88 करोड़ जनता की मजाक उड़ा रही है। आनन्द स्वरूप यादव, शमीम अहमदश अच्छन, सिद्धार्थ सिंह, जगपाल सिंह, वासुदेव मिश्र, टिंटू सिंह आदि नेताओं ने सभा को सम्बोधित करते हुये अपने विचार रखे। कामेस प्रताप सिंह, चंद्रेश प्रताप सिंह, अकबाल रजा कुरेशी, दीपक कुमार यादव, जाहिद हुसैन व अनिल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पदोन्नति को लेकर आर पार की लड़ाई लड़ेगा यूटा,यूटा ने भरा दम

गोण्डा। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यूटा–गोण्डा का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष श्री रवि प्रकाश सिंह के नेतृत्व में माननीय जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी,जनपद–गोण्डा श्री अमर किशोर कश्यप से जिला भाजपा कार्यालय में मिला।संगठन द्वारा बुके भेंटकर माननीय जिलाध्यक्ष जी को नवीन पदग्रहण की बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया गया। जिलाध्यक्ष जी से हुई भेंटवार्ता में संगठन ने पूरे प्रदेश सहित जनपद–गोण्डा में भी अविलंब पदोन्नति किये जाने से संबंधित मा. मुख्यमंत्री महोदय को संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन द्वारा दिये गये ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान समय में जनपद–गोण्डा में लगभग तीन हजार शिक्षक–शिक्षिकाएँ पदोन्नति की अर्हता पूरी कर चुके हैं,जबकि जनपद के अधिकांश उच्च प्राथमिक विद्यालय बंद व एकल हो चुके हैं।इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालयों के अधिकांश विद्यालय भी प्रधानाध्यापक विहीन चल रहे हैं। शासन की छात्र–हितैषी व लोककल्याणकारी योजनाओं क्रमशः श्आपरेशन कायाकल्प,मिशन प्रेरणा ,खाद्य सुरक्षा भत्ता,ड्रेस–स्वेटर–जूता की धनराशि का क्टज के माध्यम से अभिभावकों के बैंक खातों में स्थानांतरण, के कारण आमजनमानस में परिषदीय विद्यालयों के प्रति विश्वास व सम्मान बढ़ा है,फलस्वरूप वर्तमान सत्र में नवीन नामांकन में में आशातीत गुणात्मक वृद्धि हुई है। जनपद–गोण्डा में छात्र–शिक्षक अनुपात में भारी असमानता है।अस्तु,छात्र–शिक्षक हित में पदोन्नति संबंधी समस्त विधिक व प्रशासनिक अड़चनों को दूर कराते हुए अर्हताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं को अविलंब पदोन्नति प्रदान की जाय। प्रतिनिधिमंडल में जिला संरक्षक हेमंत तिवारी,जिला मंत्री आत्रेय मिश्रा,जिला कोषाध्यक्ष चंदन सिंह,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालकृष्ण लाल गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष द्वय गिरीश कुमार पांडेय व ने उपस्थित रहकर ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महती सहयोग प्रदान किया।

सीमित संसाधनों के बावजूद नगरीय क्षेत्रो में हुए अमूल चूल परिवर्तन: आशुतोष टंडन

दो दिवसीय अखिल भारतीय महापौर परिषद के कार्यसमिति की बैठक का हुआ शुभारंभ

अयोध्या। अखिल भारतीय महापौर परिषद की 111वी बैठक के दो दिवसीय सम्मेलन के प्रथम सत्र का शुभारंभ सूबे के नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन द्वारा किया गया। इस मौके पर नगर विकास मंत्री ने कहा कि महापौरों व जनप्रतिनिधियों के सामने नागरिक जनसुविधाओं की बड़ी चुनौतियां होती है। सरकार और निकायों के पास कम संसाधनों के कारण सबकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना बड़ी चुनौती है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीमित संसाधनों के बाउजूद नगरीय क्षेत्रो में अमूल चूल परिवर्तन हुए है। नगर विकास मंत्री श्री टंडन ने कहा कि नगरीय विकास का इतिहास आदि काल से देखा जा रहा है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में शुमार सिंधु घाटी की सभ्यता है। प्रदेश में 7 अमृत सिटी है।जहां जनजीवन शहरी मिशन योजना का काम शुरू हो गया है। सरकार ड्रेनेज सफाई के लिए रोबोट तकनीक का इस्तेमाल कर रही है जिससे अब तक होने वाली जनहानि से बचा जा सके। उद्घाटन सत्र में ऑल इंडिया मेयर काउंसिल में फिर पुराना मुद्दा को उठाया गया.एक देश एक नियम की बात कहीं गई।अयोध्या पहुंचे ऑल इंडिया मेयर काउंसिल के चेयरमैन नवीन जैन ने बताया कि एक देश एक नियम एक नियमावली की मांग होगी। महापौर का कहीं 1 वर्ष का कार्यकाल, कहीं ढाई वर्ष का कार्यकाल, कहीं 5 वर्ष का कार्यकाल, कहीं जनता से चुना जाता है तो कही पार्षद चुनते हैं। बैठक में प्रस्ताव पास कराए जाने का प्रयास होगा।एक देश है तो एक नियम होना चाहिए।पूरे देश में एक नगर निगम की नियमावली लागू होना चाहिए। कहीं पर 74 वां संशोधन लागू हो चुका है और कहीं किसी राज्य में 74 वा संशोधन नहीं लागू हुआ है।जिससे अनेक प्रकार की विसंगतियां उत्पन्न हो रही है। वही बताया कि जब 74 वा संशोधन लागू हो जाएगा तब नागरिक सुविधाएं देने में आसानी होगी। सभी विभाग एक हो जाएंगे। जल निगम, नगर निगम, जलकल विभाग, विकास प्राधिकरण, जब विभाग एक हो जाएंगे तो एक दूसरे की योजनाओं की जानकारी होगी।इसलिए आज नगर निगम सड़क बनाता है तो जल निगम सड़क खोद देता है। सीएम योगी से भी मांग की जा रही है। प्रदेश में 74 वां संशोधन हो लागू। धार्मिक स्थल देखते हुए अयोध्या में आहूत बैठक की जाए।ताकि सभी महापौर रामलला का दर्शन पूजन कर सके।और इससे पहले सूरत में बैठक हुई थी।वही नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने बताया कि बैठक में स्वस्थ परिचर्चा हो रही है। कहां–कहां दुश्वारियां हो रही है उस पर भी चर्चा हो रही।और क्या उपलब्धियां है उस पर भी चर्चा हो रही।उस उपलब्धियों को दूसरी जगह भी लागू किया जाए। जो भी परिणाम निकल कर आएंगे वो देश के सभी 204 नगर निगम में उपयोगी होगा।अयोध्या को देश की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का प्रयास देश और प्रदेश की सरकार कर रही है। पीएम मोदी व सीएम योगी के निर्देशन में अयोध्या में तेजी से विकास कार्य हो रहा हैं। उद्घाटन सत्र में सांसद लल्लू सिंह विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी शामिल रहे शामिल। अयोध्या नगर निगम के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने सभी का स्वागत किया।

बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को बनाने का काम शुरु

करनैलगंज(गोंडा)। भाजपा पदाधिकारियों ने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को बनाने का काम शुरू किया है। भाजपा नगर मण्डल के शक्ति केंद्र सकरौरा व गाड़ी बाजार के बूथों पर जाकर पन्ना प्रमुख बनाया गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने बूथों पर जाकर बूथ स्तर पर सभी को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मेरा बूथ सबसे मजबूत, अपना बूथ जीता, समझो चुनाव जीता इस अभियान में मण्डल अध्यक्ष आशीष सोनी, शक्ति केंद्र सकरौरा प्रभारी कन्हैया लाल वर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक नरेंद्र सोनी, शक्ति केंद्र गाड़ी बाजार प्रभारी मुकेश कुमार वैश्य, संयोजक भोला सिंह, बूथ अध्यक्ष राम आशीष, राम सूरेश, घनेश मिश्रा, अवनीश सोनी, सचिन सेन, गिरधारी लाल, राजू गुप्ता, संजीव मोदनवाल, अभिषेक गिरी, आंनद पुरवार, राम तेज एवम् मण्डल के अन्य पदाधिकारियों की भूमिका रही।

उप जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता का लाइसेंस किया निलंबित

करनैलगंज(गोंडा)। राशन वितरण में अनियमितता करने की शिकायत पर हुई जांच में अनियमितता सही पाए जाने पर उप जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। विकासखंड करनैलगंज की ग्राम पंचायत पारा में उचित दर विक्रेता मुन्नी देवी के विरुद्ध इसी गांव के निर्मला सिंह, रामदुलारी, अशोक कुमार, रामराज, कन्हैया लाल, सहज राम आदि द्वारा कुल 14 लोगों ने सामूहिक तौर पर शिकायत किया था कि कोटेदार द्वारा राशन वितरण में अनियमितता की जा रही है। जिसकी जांच उप जिलाधिकारी द्वारा तहसीलदार करनैलगंज से कराई गई। जांच के दौरान राशन कम दिए जाने और अन्य अनियमितता को पाया गया। जिसमें कोटेदार मुन्नी देवी का अनुबंध निलंबित कर दिया गया। उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बताया कि राशन वितरण में अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन राशन कार्ड धारकों को राशन कम मिलता है उनकी शिकायत पर तत्काल जांच होगी और कोटेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कर्मी ने फांसी लगाकर जान दिया

जौनपुर। पूर्व विधायक नदीम जावेद के गृह जनपद आवास पर उनके एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दिया। बताया जा रहा है कि वह पिछले दो वर्षो से डिप्रेशन में चल रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेने के बाद जांच पड़ताल कर रही है। नदीम जावेद के पैतृक गाँव खेतासराय क्षेत्र के पारा कमाल में उनका दो आवास है। परिवार के सदस्य जौनपुर सिटी स्थित आवास पर रहते हैं।गाँव के दोनों घरों की देख भाल गाँव का ही ओमकार राजभर करता था।चालीस वर्षीय ओमकार दो साल से डिप्रेशन में था।उपचार के लिए बीते साल मुम्बई भी गया था।स्थिति में खघस सुधार न होने के कारण अक्सर झाड़ फूंक वाले बाबाओं के चक्कर भी काटता था। हर दिन की तरह सुबह 8 बजे अपने घर से ओमकार आया और पूर्व विधायक के पुराने आवास का ताला खोल कर साफ सफाई के लिए अंदर गया।थोड़ी देर में ही उसका 10 वर्षीय पुत्र भी आया वह घर के अंदर गया और रोते हुए बाहर निकला लोगों को बताया कि पापा कुछ बोल नही रहे।पास पड़ोस के लोग घर के अंदर गए तो एक कमरे में पंखे से ओमकार लटका हुआ था।तत्काल पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नहर में गिरने से किशोर की मौत

जौनपुर । पुलिया पर बैठा किशोर पैर फिसल जाने के कारण नहर में गिर गया। किशोर को फिसलता देख आसपास मौजूद लोग शोर मचाने लगे। काफी संख्या में ग्रामीणों ने नहर में उतरकर युवक की खोजबीन शुरू कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची। जाल डालकर युवक की तलाश में शुरू की गई। गोताखोरों की भी मदद ली गई है। दोपहर में पुलिस को पानी से उसका शव मिला है। मछलीशहर क्षेत्र के वारी गांव के पास नहर पर बनी पुलिया पर सुबह 10 बजे टहलते हुए आशीष यहां आया हुआ था। वह पुलिया पर बैठा था कि तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे पानी में जा गिरा। नहर में पानी ज्यादा था वह देखते ही देखते पानी में डूब गया। उसे डूबता देखकर आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। सूचना पाकर परिजन व अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई। जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। किशोर को खोजने के लिए गांव वालों के साथ पुलिस वाले भी पानी में उतर गए। जाल बिछाकर तलाश की जाने लगी। पुलिस ने गोताखोरों को भी बुला लिया। कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर ढाई बजे आशीष का शव मिला। पुलिस ने बताया कि किशोर को तैरना नहीं आता था। जिस वजह से डूबकर उसकी मौत हो गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना मे दो लोग घायल

जौनपुर। शाहगंज क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों पर हुए सड़क दुर्घटना में बालक व एक युवक घायल हो गया सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया । क्षेत्र के गोल्हागौर निवासी राम अशीष चौहान का नौ वर्षीय पुत्र लकी चौहान शाम साइकिल से गांव मे अपने खेत की तरफ जा रहा था सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी घटना सरपतहां थाना क्षेत्र के बसिरहां गांव निवासी 19 वर्षीय संतोष कुमार पुत्र मिठाई लाल बाइक से अपने घर जा रहे थे। रामनगर स्थिति विद्यालय के समीप बच्चों को बचाने को लेकर अनियंत्रित होकर बाइक पलटने से बाइक सवार घायल हो गया सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया ।

शादी का दबाव बनाने पर प्रेमी ने की थी हत्या

धान के खेत में मिला था शव, पुलिस ने हत्याकाण्ड का किया खुलासा

गोसाईगंज–अयोध्या। थाना महराजगंज पुलिस ने बीते सात सितम्बर को धान के खेत में मिली लडकी के शव की गुत्थी सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सीओ सदर रामकृष्ण चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को बताया कि चार सितम्बर को ग्राम अदमापुर निवासिनी रुमा खाना बनाने के लिए खेत से लकड़ी लेने गयी थी। जो अचानक गायब हो गयी। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नही मिला। पांच सितम्बर को परिजनों की तहरीर पर थाना महराजगंज ने गुमशुदगी दर्जकर उसकी खोज में पुलिस टीम को लगा दिया था। पुलिस जब तक उसकी कुछ सुराग लगा पाती कि सात सितम्बर को धान के खेत में एक लडकी का शव बरामद हुआ। परिजनों ने शव की पहचान रुमा के रूप में किया।पुलिस ने मौके पर शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया।पीएम रिपोर्ट में लडकी की मौत कारण एंटीमार्टम इन्जरी व गला दबाने से पाया गया। जिस पर पुलिस ने मु0स0स0294ध्21धारा302,201 आइपीएस के तहत केस दर्जकर हत्यारे की तलाश में जुट गयी थी। हत्यारे की तलाश में महराजगंज पुलिस के साथ स्वाटटीम को भी लगाया गया था। विवेचना के दौरान अदमापुर गाँव के ही एक युवक की भूमिका सामने आई और पुलिस व स्वाटटीम उसकी तलाश में जुट गयी। .सुबह आठ बजे पूलिस व स्वाटटीम ने युवक को फैजाबाद अकबरपुर रोड पर स्थित समंथा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये युवक की पहचान बालगोपाल यादव उर्फ विनोदकुमार यादव उर्फ बल्लू पुत्र हनुमान प्रसाद यादव निवासी अदमापुर थाना महराजगंज अयोध्या के रूप में हुई। सीओ सदर ने बताया कि पूंछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसका मृतका के साथ सम्बन्ध था। अचानक मृतका द्वारा शादी का दबाव बनाने जाने पर सामाजिक भय के कारण उसके सर पर डंडे से वार किया और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।आरोपी ने पुलिस को चकमा देने के लिए लडकी के शरीर पर चाकू से निशान भी बना दिया और शव को गन्ने की खेत में फेककर चला गया। भोर में आरोपी पुनः गन्ने की खेत में गया और लडकी का शव निकाल कर बगल में धान के खेत में फेक दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक डंडा,एक चाकू,घटना के दिन पहने हुए अभियुक्त के कपड़े व मृतका का दुपट्टा व हवाई चप्पल बरामद कर लिया।पुलिस ने मिले साक्ष्य के आधार पर उक्त केस में धारा 302,201 आईपीसी में धारा376 आईपीसी व5(ड)ध्6 पाक्सो ऐक्ट को भी जोड़ दिया। आरोपी युवक को गिरफ्तार करने में महराजगंज एसएचओ वीरेंद्रकुमार राय एसआई मो0अमीन हे0का0 विन्द्रेशयादव का0ओमप्रकाश सरोज,सूर्यकुमार चतुर्वेदी,नवीनकुमार,श्वेतांशु पांडे,एसओजी प्रभारी एसआई रतनकुमार शर्मा अयोध्या,हे0का0अजयसिंह,का0मुकेश कुमार,अजीत गुप्ता,लल्लू यादव सर्विलांस सेल अयोध्या,सुनील कुमार व शिवम कुमार की भूमिका रही।

शराब की दुकान से वापस लौट रहे व्यक्तिको मारी गोली, घायलावस्था में चल रहा इलाज

गोण्डा । बीती रात्रि में शराब की दुकान से घर वापस लौट रहे व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया गया जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। सम्पूर्ण मामला जिले के तरबगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत निहालपुर निवासी शिवनाथ जायसवाल से जुड़ा है। उक्त मामले में शिवनाथ जायसवाल द्वारा पुलिस की दी गयी तहरीर में कहा गया है कि उनका भाई बीती रात्रि में करीब साढ़े 10 बजे तिवारी बाजार स्थित शराब की दुकान से वापस घर जा रहा था, इसी दौरान रास्ते मे हरखापुर के पास विक्रम शंकर तिवारी व बाबूलाल जायसवाल ने रास्ते मे उसे गोली मारकर घायल कर दिया। इतना ही नहीं पीड़ित द्वारा आरोपियों पर बाइक पैसा तथा मोबाइल छीन ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। जिसके संबंध में कोतवाली देहात पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में क्षेत्राधिकारी सदर का कहना है कि मामला प्रधानी की रंजिश से जुड़ा है,मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूँछताछ की जा रही है। बहरहाल घटना चाहे जिस भी वजह से हुई हो लेकिन गोली लगने से घायल होने के बावजूद भी एफआईआर दर्ज करने में हीलाहवाली का आरोप है।

कृषि विवि के दो छात्रों की ताबड़तोड़ डेंगू बुखार से मौत

अस्पताल के नाम पर लाखों रुपए का प्रतिमा होता है वारा न्यारा

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज में अध्ययनरत दो छात्रों की ताबड़तोड़ हुई मौतों के बाद विश्वविद्यालय में शोक की लहर दौड़ गई है विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राएं साथियों की मौत के बाद तरह से डर एवं सहम गए हैं। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में बुखार की गंभीर समस्या से बीमार चल रहे छात्रों से पूरी तरह से बेखबर है। विश्वविद्यालय के छात्रों की हालत गंभीर होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उन छात्रों का इलाज ना कराते हुए सीधे बीमार छात्र को उसके घर भेजने का काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण मात्र एक छात्र के डेंगू बीमारी के चलते मौत की बात स्वीकारते हुए दूसरे छात्र की मौत को बहुत पहले कोरोना बीमारी के चलते मौत होने का दावा कर रहे हैं। बताते चलें कि कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के अनोमा छात्रावास में रहने वाले बीएससी हॉर्टिकल्चर द्वितीय वर्ष के छात्र संदीप कुमार यादव की तबीयत बीते सप्ताह अचानक खराब हो गई थी। जिससे विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से सीधे उसके घर भेज दिया गया था। जहां डेंगू बीमारी के इलाज के दौरान छात्र संदीप की मौत हो गई थी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के यमुना हॉस्टल में रहकर शिक्षार्जन वाले एमएससी एग्रीकल्चर प्लांट पैथोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल पटेल के साथ भी यही हश्र हुआ। तेज बुखार के चलते तबीयत बिगड़ने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्र राहुल पटेल को भी सीधे उसके घर भेज दिया गया। परिजनों द्वारा इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी भी मौत हो गई। विश्वविद्यालय के दो छात्रों की ताबड़तोड़ अब विश्वविद्यालय के छात्र पूरी तरह से सहमे हुए हैं। एक छात्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय का अपना चिकित्सालय भी है जहां डॉक्टरों के साथ आधा दर्जन से अधिक कर्मियों की तैनाती के बावजूद भी अस्पताल पूरी तरह से संसाधन दिन है अस्पताल के नाम पर लाखों रुपए का वारा न्यारा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रतिमाह किया जा रहा है। अस्पताल का आलम यह है कि जब से अस्पताल पर ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदा गया है तब से आज तक उस ऑक्सीजन सिलेंडर में ऑक्सीजन भराई ही नहीं जा सकी है। ज्ञातव्य हो कि अब तक विश्वविद्यालय के छात्रों के बीमार होने पर संबंधित अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा विश्वविद्यालय के एंबुलेंस सहित अपने निजी वाहन से तत्कालीन अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा बीमार छात्रों को अस्पताल पहुंचाया जाता था और समुचित इलाज का प्रबंध भी कराया जाता रहा है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ डी नियोगी से जब संवाददाता ने छात्रों की मौत के बारे में सवाल किया तब उन्होंने कहा कि मात्र 1 छात्र संदीप की मौत हुई है और राहुल पटेल कोरोना काल मे ही प्राण गंवा चुका है।

गोस्वामी तुलसीदास के जन्म भूमि राजापुर में भव्य मंदिर बनवाने की कवायद शुरु

गोण्डा। परसपुर के ब्लाक मुख्यालय पर श्री तुलसी जन्मभूमि मन्दिर निर्माण को लेकर तुलसी संगोष्ठी की गई। परसपुर के राजापुर में तुलसी जन्मभूमि मन्दिर निर्माण सम्बन्धी प्रथम बैठक में क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने प्रतिभाग किया। और तुलसीदास की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर निर्माण के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई। सभी नागरिकों ने तुलसीदास जन्मभूमि मन्दिर के भव्य निर्माण के लिये अपने अपने विचार व सुझाव व्यक्त किया। इस दौरान विपिन कुमार सिंह पिंकू एवं गिरीश नरायन सिंह बबलू के सँयुक्त नेतृत्व में आगे बढ़ने के लिये सभी ने सर्वसम्मति से मन्दिर निर्माण संकल्प को दोहराया। तथा वृहद स्तर पर कार्य प्रणाली व कार्यकारिणी गठन तथा मन्दिर निर्माण में धन संग्रह विषय पर चर्चा हुई। मन्दिर का प्रारूप, स्थलीय सत्यापन तथा राजापुर समेत आसपास के नागरिकों को उत्साहित करते हुए आमजनमानस को इस मुहिम में जोड़ने पर बल दिया गया। आगामी भी तुलसी जन्मभूमि मन्दिर राजापुर में द्वितीय बैठक होने का आवाहन किया गया। इस अवसर पर दिग्विजय सिंह, डॉक्टर शिवकुमार सिंह, रघुनाथ पाण्डेय, प्रेमनाथ पाण्डेय, पिंकू सिंह, प्रमोद मिश्रा, कुलदीप सिंह, राजन सिंह, जनमेजय सिंह, अमरेंद्र सिंह, वेदप्रकाश सिंह, तिलकराम वर्मा, डिम्पल पाण्डेय, जगदीश सोनी, अंशु सोनी, राजकुमार सोनी, कमल किशोर सिंह, सूरज सिंह, राजकुमार मिश्रा आदि शामिल रहे हैं।

बरसात में मुर्गियों को सी.आर.डी बीमारी से बचाएं किसानः डा.ओपी वर्मा

कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में मुर्गी पालकों को दी गयी जानकारी व दवाएं

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। सी. आर.डी बीमारी एक जीवाणु जनित रोग है ,जो कि बरसात के दिनों में मुर्गियों में अधिक देखने को मिलता है। इस बीमारी में मुर्गियों को जुकाम एवं बुखार हो जाता है जिसके कारण फार्म में मृत्यु दर बढ़ जाती है जिससे मुर्गी पालक को आर्थिक नुकसान अधिक उठाना पड़ता है। उक्त बातें सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर ओम प्रकाश ने मुर्गी पालकों को सीआईडी बीमारी से बचाव हेतु प्रदर्शन के अंतर्गत दवाइयां वितरण के दौरान कहीं। इस अवसर पर डा डी पी सिंह ने मुर्गिपालको को केंद्र पर संबोधित कार्यक्रम में कहा। डा सिंह ने बताया कि बरसात के मौसम में यहां वातावरण में बहुत अधिक आद्रता एवम तापमान में उतार चढाव बहुत होने के कारण मुर्गियों में इस बीमारी का प्रकोप अधिक देखने को मिलता है। मुर्गी फार्म में जब ये बीमारी लग जाती है तो जल्दी ठीक नही होती और मुर्गी फार्म में बहुत नुकसान होने की संभावना हो जाती है। इस बीमारी से बचाव हेतु मुर्गिपालको को बताया कि बाजार में इससे बचाव हेतु कई तरह के एंटीबायोटिक्स मौजूद हैं जिनका मुर्गीपालक अपने फार्म में इस बीमारी के इलाज में प्रयोग करते हैं,लेकिन उन्हें उचित फायदा नहीं होता है और मुर्गी फार्म में बहुत अधिक नुकसान हो चुका होता है। इस बीमारी से बचाव हेतु केंद्र पर बीते 4 वर्षो से परीक्षण किए जा रहे हैं जिनका परिणाम बहुत अच्छे आए हैं। परीक्षण में मुर्गी फार्म में जब चूजों की उम्र 17 दिन हो जाय उस समय 3 दिन अमोक्सिसिलिन एंटीबायोटिक 10 एमजी प्रति किलो वजन एवम लिवर टॉनिक 25 एमएल प्रति 100 किलो वजन के हिसाब से मुर्गी फार्म में एक से डेढ़ घंटे में जितना पानी मुर्गिया पीएं उतने पानी में मिलाकर सुबह दे, फार्म में मौजूद सभी मुर्गियां दवा का पानी पिए यह सुनिश्चित करने के लिए फार्म में प्रत्येक 15 मिनट के अंतराल पर चक्कर लगाए। जब दवा मिला पूरा पानी मुर्गियां पी ले तब पूरे दिन के लिए साफ पानी बर्तनों में रख दें। ऐसा करने से आप अपनी मुर्गियों को इस जानलेवा बीमारी से बचाव कर सकते हैं। इस अवसर पर मुर्गिपालको में हरिश्चंद्र, नूरुलहाक, पूजाराम चौधरी, फैजल सईद, जाकिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटवाने गए लेखपाल पर जानलेवा हमला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिलामुख्यालय से सटे दतरंगवा गाँव कब्जा

हटवाने गये लेखपाल पर एक व्यक्ति द्वारा जान लेवा हमला किया गया, किसी तरह से लेखपाल जान बचाकर तहसील पहुँच कर उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार से घटना की जानकारी दी और थाना सिद्धार्थनगर में प्रथम सूचना रिपोर्ट के लिये प्रार्थना पत्र दिया गया। प्राप्त समाचार के अनुसार ग्राम दतरंगवा के लेखपाल देवानन्द करीब तीन बजे ग्राम में कब्जा हटवाने गए थे, उसी समय ग्राम के ही सिरपत पुत्र बलिकरन भद्दी, भद्दी गाली देने लगा और जान लेवा हमला कर दिया,उस समय वहाँ मौजूद पुलिस व कुछ ग्राम वासियों द्वारा बीच बचाव कर लेखपाल को वहाँ हटा दिया गया। लेखपाल देवानन्द तहसील पहुँच कर एफआईआर दर्ज करने हेतु उपजिलाधिकारी से आदेश कराकर थानाध्यक्ष सिद्धार्थ नगर को दिया गया।अभी तक एफआईआर दर्ज नही हुआ है।

जनपद के दिनेश कुमार को दूसरी बार मिलेगा राष्ट्रपति पुरस्कार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के लाल नौगढ़ विकास खंड के ग्राम अहिरौली निवासी बैंक आफ बडौदा दिल्ली में एजीएम पद पर कार्यरत डाक्टर दिनेश कुमार को देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद हिंदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में उनके द्वारा लिखी गई वाई किंग प्रकाशन से प्रकाशित उनकी पुस्तक श्कृषि एवं एमएसएमई –आत्म निर्भर भारत मे महत्वपूर्ण योगदान को भारत सरकार द्वारा राजभाषा गौरव पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) के लिए चयनित किया गया था। उसी पुरस्कार को माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा दिया जायेगा। माता – पिता एवं परिवार जनों तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ पुस्तक के अन्य लेखकों, डॉ. राम जस यादव एवं डी. के. नीरज, सुबह सिंह यादव एवं प्रकाशक आदेश जैन एवं सभी गुरुजनों, वरिष्ठ एवं अन्य साथियोंधमित्रों जिन्होने ने प्रत्यक्षध्अप्रत्यक्ष रूप से गुरु के रूप मे मेरा मार्ग दर्शन किया, उनको मेरा कोटि–कोटि प्रणाम एवं आभार व्यक्त किया है। बताते चले इससे पूर्व डाक्टर कुमार को 2017 में महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति पुरस्कार देकर संमानित किये थे। दूसरी बार डाक्टर दिनेश को राष्ट्रपति पुरस्कार मिलने की समाचार मिलने पर ग्राम अहिरौली निवासी सपा जिला प्रवक्ता एवं पूर्व प्रधान विजय यादव, मनोज यादव, आशुतोष यादव आदि ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्नातक संघ के प्रदेश महामंत्री बने डॉ अरुण कुमार प्रजापति

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। डॉक्टर अरुण प्रजापति के निस्वार्थ भाव से किए गए राष्ट्र हित और समाज हित कार्यों को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार पर राष्ट्रीय स्नातक संघ उत्तर प्रदेश का महामंत्र नियुक्त किया गया। साथ ही राष्ट्रीय स्नातक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने खुशी जताते हुए कहा हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं, और आशा करते हैं कि आप सभी साथियों के साथ मिलकर सामाजिक समरसता पर भव्य विशाल पेश करेंगे एवं संगठन कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने में सफल होंगे। अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्नातक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पांडे के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश में संगठन को विस्तार देने एवं मजबूती के साथ खड़े करने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह एवं प्रदेश महामंत्री संगठन हिमांशु गोयल द्वारा डॉ अरुण कुमार प्रजापति को उनके संगठनात्मक कार्यों में रुचि एवं उनके कार्यशैली को देखते हुए उत्तर प्रदेश का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा यह आशा की गई है कि डॉ प्रजापति संगठन को विस्तार देने एवं प्रदेश में मजबूती के साथ खड़ा करने के लिए पूरी निष्ठा ईमानदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे तथा प्रदेश के स्नातक, परास्नातक प्रबुद्ध वर्ग को जोड़ने का हर सम्भव प्रयास करेंगे स उनके इस मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पांडे, संतोष कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष, हिमांशु गोयल प्रदेश संगठन मंत्री, शम्भू नाथ गुप्ता, राणा प्रताप सिंह, सिद्धार्थ गौतम राजन उपाध्याय आदि ने बधाई देते हुए प्रसन्नता ब्यक्त की।

एसओजी टीम की गौ तस्करों से मुठभेड़,दो घायल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के सदर थानाक्षेत्र के विनायका पुल पर

रविवार को एसओजी टीम की गौतस्करों से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एस आई चंदन कुमार के हाथ मे गोली लगी वही एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। इस मामले को लेकर सीओ प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि आज सुबह चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिलो में सवार 4 संदिग्ध युवक दिखाई दिए। जिन्हें रुकने का इशारा किया गया तो बदमाशो ने गोली चलानी शुरू कर दी। जिसमे एक गोली एस आई चंदन कुमार की बाह में लगी। जिसके बाद पुलिस ने जवाबी फायर किए तो एक बदमाश के दाएं पैर में गोली लगी। जिसके बाद पुलिस टीम ने चारों बदमाशो को दौड़ा कर गिरफ्तार कर लिया। घायल अवस्था मे इन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जंहा इनका इलाज किया जा रहा है। इन बदमाशो के सरगना मुहर्रम के खिलाफ सिद्धार्थनगर में 2 मुकदमे व आसपास के जिलों में 9 मुकदमे ज्ञात हुए है और थानों में अन्य मुकदमे तलाश किये जा रहे है। इनके पास से 2 मोटरसाइकिल व 2 अवैध तमंचे बरामद हुए है।

पानी के दबाव से पुल के पास कट गई आधी सड़क

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कुशीनगर। नेबुआ, नौरंगिया बरसात के मौसम में लगातार मूसलाधार बारिश की वजह से नेबुआ नौरंगिया के सिधरिया ड्रेन में उफान आ गया था और पानी के दबाव की वजह से परसौनी गांव के समीप पुल के एक तरफ की आधी सड़क कट गई है। जिससे स्थानीय ग्रामवासियो के अलावा राहगीरों की भी परेशानियां बढ़ गई है। लोग आशंका जता रहे हैं कि अगर पूरी सड़क कट गई तो आवागमन बंद हो जाएगा। इस क्षेत्र के निवासी अभुषेक मल्ल, राकेश यादव, मन्टु सिंह, धनंजय कुमार, विरेन्द्र गुप्ता, राजीव यादव और इन्द्रमन प्रसाद आदि ने कहा कि परसौनी गांव से ब्लाक मुख्यालय तक जाने वाली यही एकमात्र पिच सड़क है। बारिश के पानी के दबाव की वजह से सड़क कट गयी है। पुल पर मोड़ होने की वजह से पश्चिम तरफ से आने वाले लोगों को आगे की सड़क दिखाई नहीं देती है। ऐसे में दुर्घटना की भी आशंका बढ़ गई है। रात में इधर से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। यदि समय रहते हुवे इसका अतिशीघ्र मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी दिन कोई न कोई अनहोनी हो सकता है।

बाढ़ प्रभावित गांवो में लगा स्वास्थ्य शिविर

भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के पांच गांवो में स्वास्थ टीम जांचा लोंगो का स्वास्थ्य

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। ब्लाक क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बाढ़ प्रभावित गांवो टीम बना कर लगातार स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है, जिसमे लोंगो के स्वास्थ परीक्षण कर आवश्यक दवाएं देने के साथ ही जल जनित बीमारीयों से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। सोमवार को भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव वीरपुर एहतमाली, वीरपुर कोहल,चंदनजोत, गोनकोट कोहल तथा नेहतुआ गांव में अक्षीक्षक डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा के निर्देश पर सुपरवाइजर राजीव कुमार त्रिपाठी के अगुआई में अनिल चौधरी, पवन चौधरी, दीपक वर्मा, मनोज मिश्रा के उपस्थिती में स्वास्थ शिविर लगा कर 205 मरीजों का स्वास्थ परीक्षण कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया। क्लोरीन, ब्लीचिंग पाऊडर का वितरण कर स्वच्छ पानी पीने के साथ ही घर के आस पास साफ सफाई पर ध्यान रखने का निर्देश दिया।

अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र मणि ओझा नें कहा कि हमारी स्वास्थ टीम के द्वारा लगातार बाढ़ प्रभावित गांवो में बाढ़ के दौरान से शिविर लगा कर स्वास्थ परीक्षण कर आवश्यक दवाएं दी जा रही हैं। लोगो को जल जनित बीमारीयों से बचने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देकर जागरूक भी किया जा रहा है। इस लिए पूरे ब्लाक क्षेत्र में कही कोई बीमारी नही फैली है।

जोगिया कोतवाली क्षेत्र के गोनहा मे राप्ती नदी मे दिखी अज्ञात लाश

रवि जायसवाल/

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। कोतवाली क्षेत्र के गोनहा मे बूढी राप्ती नदी मे दिखी अज्ञात लाश बूढी राप्ती नदी मे पानी की बहाव के साथ आई लाश गोनहा गांव के लोग मे नजर मे आई पानी में तैरती लाश गांव गांव के लोगों ने तुरंत लाश को देखा और पुलिस को तुरंत सूचना दिया मौके पर थाना प्रभारी तहसीलदार सिंह ने तत्काल एएसआई को गुनाहा गांव की नदी पर भेजा के नदी मे लगे ठोकर मे फसी आई नजर शव को देखने के मुताबित अज्ञात महिला की दिख रही लाश नदी के ठोकर फसी आई नजर।

महिलाएं पूरी तरह सक्षम– गुड्डू खान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवां। शक्ति स्वरूपा जो महिलाए अपने अधिकारों व

कर्तव्यों से आज भी अनभिज्ञ हैं उन्हें इसका एहसास कराने के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम को धरातल पर उतारा गया हैं जिसके तहत आज नौतनवा नगर के मलीन बस्ती वार्ड नं0 5 अम्बेडकर नगर में नौतनवां नगर पालिका अध्यक्ष 'गुड्डू खान' की अध्यक्षता में मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को जागरूक किया गया। पालिका अध्यक्ष' ने कहा कि आज की महिलाओं के अन्दर उतनी शक्ति विधमान हैं कि किसी भी अराजक तत्व को मुह–तोड़ जबाब दे सकती हैं इसमें महिलाएं पूरी तरह सक्षम हैं। थानाध्यक्ष 'राजेश पाण्डेय' ने बताया कि महिलाएं निडर होकर अपने साथ हो रहे हर जुल्म का प्रतिकार करें, ताकि उपद्रवी तत्वो को उचित स्थान पर भेजने में बिलम्ब न हो। इस अवसर पर चौकी प्रभारी दुर्गेश सिंह, सभासद शाहनवाज खान, बन्टी पाण्डेय, किसमती देबी,अनिल पटवा, आरक्षी सोनी पाण्डेय,रेनू मिश्रा,प्रमोद पाठक,सद्दाम हुसैन, अमित कुमार,रोजी दूबे,कंचन तिवारी,कमलेश कुमारी, अंतिमा सिंह,कल्पना द्विवेदी, दीपक कुमार, अतहर हुसैन, आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले में प्रथम आगमन पर भाजपा के जिला प्रभारी रमेश सिह का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर के नवनियुक्त जिला प्रभारी रमेश सिंह का कुशीनगर जिले के सीमा मे प्रवेश करते ही रामपुर 15 मिल चौराहे पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी एवं हाटा विधान सभा क्षेत्र के प्रत्याशी ऋषि त्रिपाठी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक कुमार पत्रकार के नेतृत्व मे, नगर पंचायत सुकरौली बाजार मे भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री श्रीभागवत चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही के नेतृत्व में सुकरौली मे योगी मोदी रमेश सिह जिन्दाबाद, जिन्दाबाद गगन भेदी नारेबाजी के साथ फूल मालाओ से लादकर जोरदार हुए स्वागत से अभिभूत जिला प्रभारी रमेश सिंह ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं के दम पर जनपद में मुझे कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। संगठन में मजबूती के साथ कार्य करते हुए मिशन 2022 मे पुनः प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्ष पिठाधिश्वर योगी आदित्य नाथ महराज के नेतृत्व स्पष्ट बहुत की सरकार बनेगी। इसके लिए आप सभी केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने के लिए मजबूती से जूट जाने का आहावान किया । उक्त अवसर पर अंकित मद्देशिया, गुडडू प्रजापति,सनोज विश्वकर्मा, भोलू शर्मा, सुरेश गुप्ता, सुभाष पाण्डेय, अतुल पाठक, धरुवचन्द जायसवाल, बरूण जायसवाल, रमेश चन्द्र जायसवाल, दिनेश शुक्ला, जितेन्द्र यादव,अजय यादव महुँअइया, मुन्ना पाण्डेय,दिलीप गुप्ता आदि प्रमुख लोगो ने स्वागत किया। नगर पंचायत सुकरौली के अन्तिम सीमा तितिला क्रासिंग पर नगर पालिका हाटा के अध्यक्ष अध्यक्ष मोहन वर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष शाही फैजान खान, ऋतेश नथानी, कमालुद्दीन खान,सुबास सिंह,क्षेत्र पंचायत सुकरौली की प्रमुख रंजना पासवान, एवं महेन्द्र पासवान के नेतृत्व मे गाजे बाजे के सैकड़ो लोगो ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया।

ग्राम पंचायत जोगिया में फ्री होम्योपैथिक कैंप शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिसमें लोगों के साफ–सफाई, बीमारी से बचने के बारे में बताया गया और सैकड़ों मरीजों का निशुल्क इलाज और दवा वितरण किया गया। जिसमे डॉक्टर अब्दुल वहाब (ठम्डै) कौसर अजीम (फार्मासिस्ट) अनिल कुमार (फार्मासिस्ट) तथा सहयोगी में ग्राम प्रधान ककरही राजकुमार साहनी अरुण कुमार अरमान सिद्दीकी, हरीश गौड़, अमित कुमार, मिथलेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सांस्कृतिक तानाशाही के जरिये प्रतिभाओं के दमन की कोशिशें होंगी। यही वजह है कि भारत की अध्यक्षता में रूस, चीन, ब्राजील व दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधित्व वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 13वें अधिवेशन में अन्य नेताओं के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ...

फिर उसी मोड़ पर

ग्या रह सितंबर 2001 को दुनिया के सबसे घातक और सुनियोजित आतंकी हमले ने अमेरिका के मर्म पर चोट की थी। दो बोइंग विमानों ने अमेरिकी अस्मिता की प्रतीक सबसे ऊंची 110 मंजिला बिल्डिंग ट्विन टावर को ध्वस्त कर दिया था। हमले में अल कायदा के आतंकियों की भूमिका मानते हुए अमेरिका व नाटो सदस्यों ने अफगानिस्तान पर हमला कर तालिबान को सत्ता से खदेड़ दिया था। लेकिन आतंक के खिलाफ बीस साल के युद्ध और अरबों डॉलर खर्च करके यदि कुछ हजार लड़ाके लाखों अफगान सैनिकों को परास्त करके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हो गये हैं तो यह अमेरिकी अभियान की नाकामी को ही दर्शाता है। यानी बीस साल पहले अफगानिस्तान जहां था, फिर वहीं पहुंच गया है। कहीं न कहीं अमेरिका अफगानिस्तान के मूल चरित्र को नहीं समझ पाया। फिर जिस पाकिस्तान को अमेरिका ने पाला–पोसा और जिसके भरोसे वह अफगानिस्तान में आतंकी गुटों के साथ लड़ रहा था, अंदरखाने पाकिस्तान उन्हें सींच भी रहा था। फिर अमेरिका ने अपनी मुहिम में शहरी जनमानस को तो शामिल किया, लेकिन रूढिघ्वादी व परंपरागत सोच रखने वाले ग्रामीण अफगानियों का दिल वह नहीं जीत सका। ग्रामीण समाज को अपनी इस्लामिक प्रतिबद्धताओं के जरिये तालिबान सम्मोहित करता रहा। तालिबानियों ने पिछले दो दशक में ग्रामीण समाज में अपनी गहरी पैठ बनायी और कबीलों में यह संदेश देने का प्रयास किया कि हम देश को विदेशी आक्रांताओं से मुक्त करने की मुहिम में जुटे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व नाटो सैनिकों की वापसी से पहले ही तालिबानियों ने ग्रामीण इलाकों से बढ़ते हुए सभी प्रांतों की राजधानियों के साथ ही देश की राजधानी काबुल पर भी कब्जा कर लिया। यहां अमेरिकी तंत्र की असफलता अफगान सेना के हथियार डालने के रूप में भी सामने आई। जिन लाखों अफगान सैनिकों को अमेरिका की देखरेख में प्रशिक्षण दिया गया था, वे कुछ हजार लड़ाकों के सामने बिछते चले गये। जिसे अमेरिका की सबसे बड़ी नाकामी माना जा रहा है। भले ही आज तालिबान बदला हुआ होने का दावा कर रहा हो, लेकिन धीरे–धीरे उसका पुराना चेहरा उजागर होने लगा है। अंतरिम सरकार का समावेशी न होना और महिलाओं को फिर से हाशिये में रखना उसकी शुरुआत है। पत्रकारों पर हमले और स्कूलों में लड़के–लड़कियों को अलग बैठने के आदेश उसकी बानगी भर है। जैसे–जैसे तालिबान सरकार के पैर जमने शुरू होंगे, उनका असली चेहरा बेनकाब होने लगेगा। सबसे खतरनाक बात यह है कि अमेरिका द्वारा अफगान सैनिकों को दिये गये अत्याधुनिक हथियार तालिबानियों के हाथ लग गये हैं। आज तालिबान दुनिया का सबसे आधुनिक हथियारों वाला आतंकी संगठन बन गया है। जिसका खतरा भारत समेत तमाम पड़ोसी देशों को है। भारत के लिये यह खतरा सबसे बड़ा है क्योंकि चीन, रूस व ईरान किसी न किसी भूमिका में तलिबानी सरकार से जुड़ते हैं। फिर हमेशा से भारत विरोधी रहा पाकिस्तान तालिबानियों का संरक्षक व मार्गदर्शक बना हुआ है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि पिछले बीस सालों में अमेरिका, भारत व वैश्विक एजेंसियों ने विकास की जो इबारत अफगानिस्तान में लिखी थी, उसे मिटाने की कवायद शुरू हो गई है। अब शरिया कानून के नाम पर बंदिशें लागू करके अफगानी समाज की रचनात्मकता को कुंद किया जायेगा।

रोटी का जिक्र और मेवे का फिक्र

सहीराम

अपने यहां अचानक यह चिंता सामने आने लगी है कि अफगानिस्तान में आयी अस्थिरता से मेवे महंगे हो जाएंगे। बेचारे अफगानी तो गोलियां खा रहे हैं और आपको मेवे खाने की चिंता हो रही है। उन्हें चिंता हो रही है कि तालिबान से कैसे बचें और आपको चिंता हो रही है कि मेवे कैसे मिलें। भैया अफगानिस्तान के मेवे तो न रूसी खा सके और न अमेरिकी। मेवों के इंतजार में बीस साल वहां रूसी पड़े रहे और बीस साल अमेरिकी। चालीस साल तो यूं ही गुजर गए। फिर कोई पांच–छह साल तो अफगानियों ने तालिबान की बंदूक के साये में भी गुजारे ही हैं। वे जान की चिंता करें कि मेवों की चिंता करें। मेवे खाना इतना आसान नहीं होता। खुद वहां की जनता नहीं खा पा रही और आपको चिंता सता रही है कि मेवे महंगे हो जाएंगे। वैसे भी गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के काबुली वाले अब अपने यहां नहीं आते। अब तो अपने यहां अफगानी शरणार्थी आते हैं। अलबत्ता बेटियों के लिए उनके दिल भी उतने ही तड़पते हैं, जितना काबुली वाले का दिल तड़पता था। वैसे भी अब अफगानिस्तान से मेवे आने का इंतजार कौन करता है। अब कहां अफगानिस्तान के मेवे मशहूर रह गए, अब तो वहां की अफीम मशहूर है, हेरोइन मशहूर है। दुनिया वालों की चिंता अब यह है कि तालिबान के आ जाने के बाद वहां अफीम की खेती बढ़ जाएगी और दुनिया को हेरोइन से पाट दिया जाएगा। फिर भी अपने यहां चिंता यह है कि अफगानिस्तान में आयी अस्थिरता से मेवे महंगे हो जाएंगे। अरे भैया यहां रोटी महंगी हो रही है, उसकी चिंता कर लो यार। सरसों के तेल की कीमतें बाबा रामदेव के बिजनेस की तरह छलांग लगा रही हैं। उस सरसों के तेल की महंगाई की चिंता कोई नहीं कर रहा। बाजार में सब्जी खरीदने जाओ तो घीया, टिंडा और तौरी जैसी मौसमी सब्जियां तक पचास रुपए किलो से कम नहीं मिलती। इसकी कोई चिंता नहीं कर रहा। सब्जी पैदा करने वाले किसान की सब्जी मंडी में कौडियों के भाव बिकती है और तंग आकर वह उन्हें सड़क पर फेंक देता है या खेतों में सडने के लिए छोड़ देता है। भाई किसान की चिंता तो मत करो क्योंकि किसान की चिंता करने का मतलब आज सरकार का विरोध करना हो गया है और सरकार का विरोध करने का मतलब सिर फुड़वाना हो गया है। लेकिन महंगाई की चिंता तो कर लो। सरकारी कंपनियां तो सस्ते में बिक रही हैं और रोटी महंगी हो रही है। रोटी के लिए अन्न उगाने वाले की जान सस्ती है और रोटी खाने वाले की जान भी सस्ती है, लेकिन रोटी महंगी है। लेकिन चिंता यह सता रही है कि अफगानिस्तान में आयी अस्थिरता से मेवे महंगे हो जाएंगे। समस्या यही है कि मेवे खाने वालों की चिंता की तो चिंता कर ली जाती जाएगी, पर रोटी खाने वाले की चिंता को चिंता नहीं माना जाएगा।

कब खुलेगा किसान की खुशहाली का रास्ता

केंद्र सरकार फिलहाल एमएसपी तय करने के तरीके में ए–2 फॉर्मूला अपनाती है। यानी फसल उपजाने की लागत में केवल बीज, खाद, सिंचाई और परिवार के श्रम का मूल्य जोड़ा जाता है। इसके अनुसार जो लागत बैठती है, उसमें 50 फीसदी धनराशि जोड़कर समर्थन मूल्य तय कर दिया जाता है। जबकि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश है कि इस उत्पादन लागत में कृषि भूमि का किराया भी ...

प्रमोद भार्गव

केंद्र सरकार ने किसानों के हित में कुछ अनाजों पर एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा 400 रुपये प्रति क्विंटल मसूर और सरसों पर बढ़ाया गया है। गेहूं पर 40, सूरजमुखी पर 114 और चने पर 130 रुपये बढ़ाये गए हैं। सरकार ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब किसानों ने तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग बुलंद कर दी है। हरियाणा और पंजाब के किसानों को ये बढ़ी दरें रास नहीं आ रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में एमएसपी के औजार से आंदोलन के विस्तार पर अंकुश जरूर लगा दिया है।

कोरोना संकट ने आर्थिक उदारीकरण अर्थात् पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की पोल खोल दी है और देश आर्थिक व भोजन के संकट से मुक्त है तो उसमें केवल खेती–किसानी का सबसे बड़ा योगदान है। भारत सरकार ने इस स्थिति को समझ लिया है कि बड़े उद्योगों से जुड़े व्यवसाय और व्यापार जबरदस्त मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं किसान ने 2019–20 में रिकॉर्ड 29.19 करोड़ टन अनाज पैदा करके देश की ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को तो तरल बनाए रखा है, साथ ही पूरी आबादी का पेट भरने का इंतजाम भी किया है। 2019–2020 में अनाज का उत्पादन आबादी की जरूरत से 7 करोड़ टन ज्यादा हुआ था। 2020–2021 में भी 350 मिलियन टन अनाज पैदा करके किसान ने देश की अर्थव्यवस्था में ठोस योगदान दिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में अमर्त्य सेन और अभिजीत बनर्जी सहित थॉमस पिकेटी दावा करते रहे हैं कि कोरोना से ठप हुए ग्रामीण भारत पर जबरदस्त अर्थ–संकट गहराएगा। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2017–18 के निष्कर्ष ने भी कहा था कि 2012 से 2018 के बीच एक ग्रामीण का खर्च 1430 रुपये से घटकर 1304 रुपये हो गया है। जबकि इसी समय में एक शहरी का खर्च 2630 रुपये से बढ़कर 3155 रुपये हुआ है। अर्थशास्त्र के सामान्य सिद्धांत में यही परिभाषित है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा में गरीब आदमी को ही सबसे ज्यादा संकट झेलना होता है। लेकिन इस कोरोना संकट में पहली बार देखने में आया है कि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के पैरोकार रहे बड़े और मध्यम उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारी भी न केवल आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, बल्कि उनके समक्ष रोजगार का संकट भी पैदा हुआ है। लेकिन बीते दो कोरोना कालों में खेती–किसानी से जुड़ी उपलब्धियों का मूल्यांकन करें तो पता चलता है कि देश को कोरोना संकट से केवल किसान और पशुपालकों ने ही उबारे रखने का काम किया है।

यही नहीं, जो प्रवासी मजदूर ग्रामों की ओर लौटे, उनके लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था का काम भी गांव–गांव किसानों व ग्रामीणों ने ही किया। इस दौरान यदि सरकारी महकमों चिकित्सा, पुलिस, बैंक और राजस्व को छोड़ दिया जाए तो 70 फीसदी सरकारी कर्मचारी न केवल घरों में बंद रहे, बल्कि मजदूरों के प्रति उनका सेवाभाव भी देखने में नहीं आया। यदि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोषों का आकलन करें तो पाएंगे कि इनका आर्थिक योगदान ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर रहा है।

कोरोना ने अब हालात को पलट दिया है। इसलिए खेती–किसानी से जुड़े लोगों की गांव में रहते हुए ही आजीविका कैसे चले, इसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि की थी। इसी क्रम में श्रधानमंत्री अन्नदाता आय सरंक्षण नीत्यि लाई गई थी। तब इस योजना को अमल में लाने के लिए अंतरिम बजट में 75,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसके दायरे में 14.5 करोड़ किसानों को लाभ मिल रहा है। निरूसंदेह गांव और कृषि क्षेत्र से जुड़ी जिन योजनाओं की शृंखला को जमीन पर उतारने के लिए 14.3 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, उसका उपयोग अब सार्थक रूप में होता है तो किसान की आय सही मायनो में 2022 तक दोगुनी हो पाएगी। इस हेतु अभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने, कृषि की लागत कम करने, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने की भी जरूरत है।

केंद्र सरकार फिलहाल एमएसपी तय करने के तरीके में श्ए–2य फॉर्मूला अपनाती है। यानी फसल उपजाने की लागत में केवल बीज, खाद, सिंचाई और परिवार के श्रम का मूल्य जोड़ा जाता है। इसके अनुसार जो लागत बैठती है, उसमें 50 फीसदी ध नराशि जोड़कर समर्थन मूल्य तय कर दिया जाता है। जबकि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश है कि इस उत्पादन लागत में कृषि भूमि का किराया भी जोड़ा जाए। इसके बाद सरकार द्वारा दी जाने वाली 50 प्रतिशत धनराशि जोड़कर समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए। फसल का अंतर्राष्ट्रीय भाव तय करने का मानक भी यही है। यदि भविष्य में ये मानक तय कर दिए जाते हैं तो किसान की खुशहाली बढने का रास्ता खुल जाएगा। यह उपाय कृषि कानून विरोधी आन्दोलनों को समाप्त करने की दिशा में भी एक सार्थक पहल हो सकती है।

कश्मीर समेत कहीं भी मुस्लिम हितों के नये स्वयंभू प्रवक्ताओं ने अपने दोस्त और सबसे भरोसेमंद साझीदार का संकेत भी दे ही दिया है। तब जाहिर है कि शांति–सभ्यता–मानवता में विश्वास रखने वालों से देर–सवेर टकराव होगा ही। इसलिए किसी गलतफहमी–खुशफहमी में समय बर्बाद करने के बजाय सही सोच वालों को इस आसन्न खतरे से निपटने के लिए समन्वित रणनीति बनानी ...

इक्कीसवीं शताब्दी में आतंकी सरकार!

राजकुमार सिंह

अफगानिस्तान का घटनाक्रम किसी पीरियड फिल्म जैसा ज्यादा लगता है। जिस इक्कीसवीं शताब्दी को ज्ञान की शताब्दी बताया जा रहा था, उसमें बर्बरता के लिए बदनाम हथियारबंद आतंकी समूह किसी देश की सत्ता पर कब्जा कर लेंगे और विश्व समुदाय मूकदर्शक बना देखता रहेगाकृ इसकी कल्पना भी अगस्त, 2021 से पहले मुश्किल थी। यह संभवतरू विश्व में किसी देश की पहली ऐसी सरकार होगी, जिसमें करोड़ों–अरबों के घोषित इनामी अंतर्राष्ट्रीय आतंकी सत्ता के केंद्र में विराजमान होंगे। सिद्धांततरू यह माना जा सकता है कि किसी भी देश के नागरिकों को अपनी सरकार और दशा–दिशा चुनने का अधिकार है। इसके बावजूद खुद को दुनिया का दारोगा समझने वाले कुछ स्वयंभू देश लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर दूसरे देशों में मनमानी घुसपैठ करते रहे हैं, लेकिन अब जबकि लगभग 80 हजार हथियारबंद आतंकियों ने अधिसंख्यक अफगानिस्तानी आबादी की इच्छाओं का गला घोंटते हुए देश की सत्ता पर ही कब्जा कर लिया है तो प्रतिक्रियाएं देने में भी बेहद सावधानी बरती जा रही है।

इक्कीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक की शुरुआत में ही जो अफगानिस्तान वापस मध्ययुगीन बर्बर सत्ता की कैद में जाता दिखायी पड़ रहा है, उसके लिए एकध्रुवीय विश्व का स्वयंभू दारोगा अमेरिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। दो दशक पहले, विश्व जनमत को धता बता कर, आतंक के खात्मे के नाम पर अमेरिका और मित्र देशों ने अफगानिस्तान पर हमला बोला था, लेकिन वहां से उसकी बेआबरू विदाई के बाद जो तस्वीर उभरी है, वह पहले से कम भयावह तो हरगिज नहीं है। तब भी वहां तालिबान के बैनर तले आतंकवादियों की ही सरकार थी और अब जो अंतरिम सरकार बनी है, उसमें भी आतंकियों की ही भरमार है। विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्ज की रिपब्लिकन स्टडी कमेटी के ही शब्दों में आज अफगानिस्तान में आतंकवादियों की, आतंकवादियों द्वारा, आतंकवादियों के लिए सरकार है, पर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? यह अब खुला रहस्य है कि सोवियत संघ के साथ लंबे चले शीत युद्ध के दौरान अफगानिस्तान में सोवियत समर्थित सरकार के विरुद्ध अमेरिका ने ही अल कायदा समेत अनेक आतंकी गुटों को जन्म दिया और उनका पालन–पोषण भी किया। पाकिस्तान इस काम में उसका मददगार रहा। यह अलग बात है कि अंततरू अफगानिस्तान से सोवियत संघ की विदाई और उसकी समर्थित सरकार के पतन के बाद वे ही आतंकी गुट अमेरिका के लिए भस्मासुर साबित हुए। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और असंदिग्ध धर्मनिरपेक्ष साख वाला भारत अस्सी के दशक से ही विश्व समुदाय को आतंकवाद, खासकर कुछ देशों द्वारा प्रायोजित मजहबी आतंकवाद के विरुद्ध आगाह करते हुए अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान करता रहा, लेकिन दुनिया के दारोगा को आतंक की तपिश 11 सितंबर, 2001 को न्यूयार्क में ट्विन टावर्स पर आतंकी हमले के बाद ही महसूस हुई। तभी उसने खुद पर आतंकी हमला करने वाले हमलावरों और उनके मददगारों के खात्मे के लिए अफगानिस्तान पर हमला बोला, जहां तब उन्हीं तालिबान का राज था, जो अमेरिका–पाकिस्तान की साझा आतंकी नर्सरी की देन थे। उसके बावजूद पाकिस्तान कई वर्षों तक अमेरिका को भी डबल क्रॉस करता रहा। एक ओर वह आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में सहयोग की भारी–भरकम कीमत अमेरिका से वसूलता रहा तो दूसरी ओर लादेन समेत तमाम आतंकी सरगनाओं को पनाह भी देता रहा। पाकिस्तान के इस दोगलेपन का पर्दाफाश तब हुआ, जब अमेरिका ने वहां एबटाबाद में रह रहे लादेन को एक खुफिया ऑपरेशन में मार गिराया। उसके बाद ही अमेरिका–पाकिस्तान के रिश्तों में खिंचाव आना शुरू हुआ। राजनीति की तरह राजनय में भी कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कभी अफगानिस्तान में सोवियत संघ की मौजूदगी के विरुद्ध अमेरिका ने पाकिस्तान का इस्तेमाल किया था तो बदलते परिदृश्य में विघटित सोवियत संघ का रूस तथा चीन, अमेरिका के विरुद्ध पाकिस्तान के नये दोस्त बन गये। शुरू में पाकिस्तान के दोगलेपन और फिर खुलकर सामने आ जाने के बाद अमेरिका के लिए अफगानिस्तान ऐसा चक्रव्यूह बन गया था, जिससे साख बचा कर निकल पाना भी आसान नहीं था। आतंकियों की संरक्षक तालिबानी अफगानिस्तान सरकार को सबक सिखाने का जॉर्ज बुश का दंभ पिछले दो दशक में राष्ट्रपतियों और खुद अमेरिका को कितना महंगा पड़ाकृइसका आकलन करने में भी लंबा समय लगेगा। व्यापारी बुद्धि के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समझ आ गया था कि अफगानिस्तान से सेना समेत निकल आने में ही भलाई है। ऐतिहासिक नाटकीय चुनाव में ट्रंप के सत्ता से बेदखल हो जाने के बाद नये राष्ट्रपति बाइडेन को भी यही बेहतर विकल्प लगा कि जितनी जल्दी हो, अपना दामन बचा कर अफगानिस्तान से निकल आया जाये। बेशक देर–सवेर अमेरिका को तो निकलना ही था, लेकिन इसके लिए जिस तरह आतंकी तालिबान में ही अच्छे–बुरे के भेद का छलावा अफगानिस्तान समेत विश्व समुदाय से किया गया, उसकी कीमत आज बदनसीब अफगान चुका रहे हैं तो कल पड़ोसी देशों समेत विश्व समुदाय को भी शांति–सभ्यता–मानवता को दरपेश खतरे के रूप में चुकानी ही पड़ेगी। अफगानिस्तान अपनी बहुलता और विविधता वाली कबीलाई संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन पाकिस्तान की बदनाम खुफिया एजेंसी आईएसआई की सरपरस्ती में आतंकी गुटों में सत्ता की बंदरबांट के बाद अब अंतरिम सरकार के नाम पर जो 33 बदनाम चेहरे काबुल में सत्ता पर काबिज हुए हैं, उनमें न तो सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व है और न ही आधी आबादी यानी महिलाओं का। सरकार के गठन की कवायद के बीच तालिबान आश्वस्त कर रहे थे कि महिलाओं समेत किसी भी वर्ग को आशंकित होने की जरूरत नहीं है, सभी की सत्ता में भागीदारी होगी, लेकिन अब नकाब उतर गया है। पिछले कुछ दशकों से अफगानिस्तान जिन अनिश्चितताओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से गुजरा है, उसमें खासकर महिलाओं का जीवन के हर क्षेत्र में हासिल मुकाम काबिले तारीफ ही कहा जायेगा, लेकिन अब उन उजालों को फिर अंधेरों में कैद करने का फरमान जारी हो गया है। बात सिर्फ स्कूल–कॉलेज में लड़के–लड़कियों की अलग–अलग कक्षाओं या उनके बीच परदे तक सीमित नहीं रहने वाली। नौकरियों से लेकर खेल के मैदान तक महिलाओं के लिए बंद होने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि अफगानिस्तान के स्वयंभू शासकों ने महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना बताकर अपनी मध्ययुगीन मानसिकता उजागर कर दी है। ध्यान रहे कि अब हम जिस वैश्विक गांव वाली अवधारणा में रह रहे हैं, उसमें यह मध्ययुगीन बर्बरता सिर्फ अफगानिस्तान की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी। इसलिए भी कि अंतरिम सरकार के गठन में ही नापाक पाकिस्तान की दखल से साफ हो गया है कि तालिबान का एजेंडा कौन तय करने वाला है। पाकिस्तान के तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने तो आतंकवाद को अपने देश की सरकारी नीति ही बताया था, पर अफगानिस्तान में तो बाकायदा आतंकवादियों की सरकार ही बन गयी है।

कोरोना पाजिटिव के गांव पहुचे सीएमओ

करौंदी बाजार। विकास खंड रामपुर कारखाना क्षेत्र के मुजहना लाला के राजस्व ग्राम भुजौली में कोरोना पाजिटिव की सूचना मिलने पर . सीएमओ स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पहुंचकर निर्देश दिए। मरीज को होम क्वारंटीन करते हुए गांव को सैनिटाइज व स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। भुजौली का एक व्यक्ति शुक्रवार को कोरोना जांच कराया था। जिसका रिपोर्ट पाजिटिव आई। खतरे को देखते हुए रामपुर कारखाना की स्वास्थ्य टीम भुजौली में उस व्यक्ति के संपर्क में आए हुए 51 का आरटीपीसीआर व 25 लोगों का एंटीजन टेस्ट किया गया। जिसमें सभी निगेटिव पाए गए। कोरोना पाजिटिव व्यक्ति को आवश्यक निर्देश देते हुए स्वास्थ्य टीम ने उसे होम क्वारंटीन कर दिया। साथ ही कोरोना पाजिटिव होने के कारणों का पता लगा रही है। इस दौरान डिप्टी सीएमओ डा. वीपी सिंह, प्रभारी डा. शम्भू प्रसाद, डा. संजय पांडेय, विपिन रंजन, राहुल आर्य, ग्राम प्रधान रमेश यादव, आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस की सक्रियता से बची महिला व मासूम की जान

भाटपाररानी। सुबह खामपार पुलिस की सक्रियता से महिला व उसके तीन वर्षीय मासूम की जान बच गई। धुआं देखकर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष व पुलिस कर्मी छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। ताला तोड़कर महिला व मासूम को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना का कारण जेठानी से विवाद बताया जा रहा है। खामपार थाना से कुछ दूरी पर खामपार कस्बे में ही लालसा देवी पत्नी वर्षा चौहान का घर है। उसका पति वर्षा तीन साल से सउदी अरब में है। घर में लालसा देवी के अलावा उसके जेठ, जेठानी व सास रहती है। आए दिन जेठानी से विवाद होता रहता है। सुबह करीब नौ बजे जब घर के सभी सदस्य गांव व खेत में चले गए तो लालसा देवी ने अंदर से दरवाजा बंद कर आग लगा ली। उसके साथ उसका पुत्र भी था। थानाध्यक्ष खामपार विपिन मलिक उस समय फरियाद सुन रहे थे। घर से धुआं उठता देखकर वह एसआइ शिवचंद, सिपाही अनुष्का, प्रीतू के साथ मौके पर पहुंचे। अंदर से ताला बंद होने के कारण सभी पुलिसकर्मी सीढ़ी के रास्ते अंदर दाखिल हुए। महिला अपने बच्चे के साथ आग लगाने का प्रयास कर रही थी। कमरे का बेड व सामान जल रहा था। उसे घर से बाहर सुरक्षित निकाल कर ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस महिला को लेकर थाने आई। कुछ देर तक महिला बदहवास रही। पुलिसकर्मियों ने पानी पिलाया। थानाध्यक्ष ने कहा कि महिला ने मासूम के साथ जान देने का प्रयास किया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

महंत अवेद्यनाथ ने किया हिंदू समाज की एकता का मार्ग प्रशस्त

महराजगंज। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि चोखराज तुलस्यान सरस्वती शिशु मंदिर सिसवा बाजार के प्रधानाचार्य ज्योतिषमणि त्रिपाठी ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ ने हिन्दू समाज की एकता का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने अपने जीवनकाल में राष्ट्र, समाज व हिदू धर्म की संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य किए। उनका जीवन हिदुत्व के प्रति समर्पित रहा। विशिष्ट अतिथि दिग्विजयनाथ बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक बाजार की प्रधानाचार्या सपना सिंह ने कहा कि शिक्षा सभी समस्याओं का हल है और किसी भी व्यक्ति एवं समाज के सफलता की बुनियाद है। इसी से समाज स्वावलंबी बनता है। शिक्षा से ही संस्कार मिलता है। इसी के जरिये समाज अपने अतीत को जानता है। उसकी संपन्नता के अनुसार गौरवान्वित महसूस करता है। बात अगर किसी पिछड़े क्षेत्र की हो तो शिक्षा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी पिछड़े पूर्वांचल क्षेत्र का शैक्षिक रूप से पुनर्जागरण का सपना 1932 में गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मालीन महंत दिग्विजयनाथ ने देखा था और उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. बसंत नारायण सिंह तथा संचालन संस्कृत विषय की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मनीषा त्रिपाठी एवं आभार ज्ञापन वाणिज्य के असिस्टेंट प्रोफेसर दिपेन्द्र पांडेय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. सरोज रंजन, डा. रामपाल यादव, कृष्ण कुमार प्रजापति, मनोजनाथ योगेश्वर, अजय त्रिपाठी, विजय भारती एवं अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्र संत थे ब्रह्मालीन महंत दिग्विजयनाथ व अवेद्यनाथ

महराजगंज। नौतनवा स्थित के एक मैरेज हाल में हिदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडेय की अध्यक्षता में ब्रम्हलीन महंत दिग्विजय नाथ व राष्ट्रसंत ब्रह्मालीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि श्रद्धा व विश्वास के साथ मनाई गई । बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने दोनों संतों के चित्र पर फूलमाला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडेय ने कहा कि ब्रह्मालीन महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज युग पुरुष रहे। उन्होंने अपने जीवनकाल में राष्ट्र, समाज व हिदू धर्म की संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य किए।

उनका जीवन हिदुत्व के प्रति समर्पित रहा और उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके शिष्य महंत अवेद्यनाथ जी महराज ने उनके कार्यभार को संभालकर आगे बढ़ाने का कार्य किया। शिक्षा जगत में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर लोगों को शिक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके ब्रह्मालीन होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधूरे कार्यों को गति देते आ रहे हैं।

वह बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास के नारे को सार्थक बनाने में प्रयासरत है। रूपनारायण मिश्रा, कृष्ण विहारी पाठक, धनंजय वर्मा, चंद्र प्रकाश पटेल, जनार्दन मिश्रा, एडवोकेट सत्य प्रकाश सिंह, अमरनाथ पांडेय, संतोष पांडेय, जगदीश साहनी, राधेश्याम गुप्ता, ओम प्रकाश, संतोष मोदनवाल, मुन्ना चौधरी, रामवचन गुप्ता, अर्जुन वरुण, राजकुमार गुप्ता, राधेश्याम यादव, शेषमन साहनी, ध्रुप नारायण, गोविद भारती, रामप्यारे, रामानंद, रामवेलास उपस्थित रहे।

देवरिया जिले के इन गांवों के लोग 27 साल से झेल रहे परेशानी

अब कुशीनगर की बजाय देवरिया जिले में होगा उनका थाना

देवरिया । जिले के चार गांवों की तकरीबन 12 हजार की आबादी को राहत मिलने जा रही है। इन गांवों का थाना कुशीनगर जनपद से हटाकर देवरिया में करने के लिए मंजूरी शासन से मिल गई है। करीब तीन दशक से इन गांवों के लोग दोनों जिलों के बीच फंस कर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अब ब्लाक, तहसील के साथ ही थाना भी देवरिया जिले के अंतर्गत हो जाएगा। 13 मई 1994 को देवरिया जिले का विभाजन कर कुशीनगर को नया जिला बनाया गया। देवरिया जिले के गौरी बाजार ब्लाक के बसंतपुर, बेलवां पांडेय और बैतालपुर ब्लाक के अमवां व करंज गांवों का तहसील देवरिया, जबकि थाना क्षेत्र कुशीनगर जिले की हाटा कोतवाली कर दिया गया। दो जिला होने के कारण प्रमाणपत्र बनवाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। तहसील और थाना अलग–अलग जिलों में होने से यहां के लोगों का राजस्व संबंधित मामला देवरिया और पुलिस संबंधित मामलों का निपटारा कुशीनगर जिले में होता है। इन चारो गांवों की देवरिया से दूरी 25 से 30 किलोमीटर जबकि कुशीनगर जिला मुख्यालय से दूरी लगभग 40 किलोमीटर है। हैसियत, चरित्र प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, लाइसेंस बनवाने के लिए लेखपाल की रिपोर्ट देवरिया और थानेदार की रिपोर्ट के लिए कुशीनगर जाना पड़ता है। देवरिया के अधिकारियों के आदेश को कुशीनगर जिले की पुलिस तवज्जो नहीं देती थी। इससे मामला लटका रहता था। एसपी देवरिया के प्रयास से इन गांवों को अब कुशीनगर जिले के थाने का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

गायघाट में कटान जारी, तटबंध पर खतरा बरकरार

मदनपुर, देवरिया। भले ही राप्ती नदी का जलस्तर कम हो रहा है लेकिन नकइल–सेमरौना तटबंध के संवेदनशील बिदु गायघाट में कटान थमने का नाम नही ले रहा है। कटान रोकने के लिए बाढ़ विभाग के अधिकारी बंधे पर कैंप कर रहे हैं। बंधे पर नदी के कटान को देखकर आसपास के गांव के लोगों की चिता बढ़ गई है। सप्ताह भर से बांध पर हो रही कटान रोकने के लिए बल्ली व सीमेंटेड पारकोपाइन, बम्बो क्रेट्स आदि से कटान रोकने के उपाय फिलहाल नाकाफी साबित हो रहा है। कटान स्थल पर बांध को बचाने के लिए बाढ़ विभाग की तरफ से मजदूर लगाए गए हैं। अनुरक्षण का काम लगातार जारी है। नकइल–सेमरौना बांध ा के किनारे बसा गांव तलसपुरवा भी राप्ती नदी का कोपभाजन बन रहा है। नदी कटान करते बांध के करीब होती जा रही है। नदी के बदलते रुख से परेशान विभाग ड्रोन कैमरे की मदद ले रहा है। जिसके जरिए कटान के साथ ही धारा की निगरानी की जा रही है। नदी की धारा तेज कटान कर रही है। स्थिति पर नजर रखने के लिए बाढ़ विभाग के अवर अभियंता मार्कण्डेय पाल व केपी त्रिपाठी तटबंध पर कैंप कर रहे हैं। लगातार बाढ़ की वजह से प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारा का संकट हो गया है। कटान की स्थिति यथावत बनी हुई है। बचाव कार्य जारी है। नदी का पानी पूरी तरह नीचे उतरने के बाद ही हालात सामान्य हो पाएगा। बांध को किसी भी तरह का खतरा नहीं होने दिया जाएगा।

गलत ढंग से इमरजेंसी में कार्य कर रहे छह पर दर्ज होगा केस

देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला अस्पताल की इमरजेंसी में अवैध ा रूप से कार्य करने वाले छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। . पूरे दिन कोतवाली में गहमागहमी का माहौल रहा। एडीएम प्रशासन कुंवर पंकज सुबह कोतवाली पहुंच गए थे। उनके अलावा मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डा. एएम वर्मा, डा. एचके मिश्र, इमरजेंसी के प्रभारी डा. एनके पांडेय, ड्यूटी में तैनात डा. आलोक गुप्ता को भी कोतवाली में बुलाया गया था। पुलिस ने सभी चिकित्सकों व पकड़े गए लोगों का बयान दर्ज किया।

जांच में पाया गया कि छह लोग गलत ढंग से इमरजेंसी में मरीजों का इलाज कर रहे थे। जब उन आरोपितों से पूछा गया कि किसके आदेश पर कार्य कर रहे थे, तो इसका जवाब नहीं दे सके। जिला अस्पताल के इमरजेंसी में एडीएम प्रशासन कुंवर पंकज व एसडीएम सौरभ सिंह ने रात पुलिस टीम के साथ छापेमारी की थी। दोनों अधिकारी निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचे थे। पुलिस भी सादे वेश में गई थी। पुलिस ने अवैध रूप से कार्य करने के शक में नौ लोगों को हिरासत में लिया था। जांच में तीन लोगों को गलतफहमी में हिरासत में लेने की बात सामने आने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। एडीएम प्रशासन के निर्देश पर इमरजेंसी के प्रभारी डा.एनके पांडेय ने तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गई है। छह लोगों के खिलाफ ध ोखाधड़ी व मेडिकल काउंसिल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसी तरह अस्पताल में छापेमारी कर गलत लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

दो पुरुष के सापेक्ष एक महिला बीपीओ की होगी तैनाती

महराजगंज। मिशन शक्ति और महिला सुरक्षा को देखते हुए पुलिस विभाग की बीट प्रणाली में भी महिलाओं की भागीदारी तय कर दी गई है, इसमें जहां दो बीट के सापेक्ष एक महिला बीट बनाया गया है, वहीं दो पुरुष बीट आफिसर के सापेक्ष एक महिला बीट पुलिस आफिसर की भी तैनाती कर दी गई है। यह महिला बीट पुलिस अधिकारी न सिर्फ गांवों में महिलाओं से मिलकर उनकी आवाज बुलंद करेंगी बल्कि इनसे ग्रामीण क्षेत्रों में महिला अपराधों पर रोक लगाना भी पुलिस विभाग का उद्देश्य है। जिले के 19 थाना क्षेत्रों में महिला थाना को छोड़कर पुलिस विभाग ने कुल 882 गांवों में बीट प्रणाली लागू कर दिया है। इन 882 गांवों को पुलिस विभाग ने कुल 701 बीट में बांटा हैं। प्रत्येक बीट का एक बीट पुलिस आफिसर भी तैनात किया गया है। इनका काम गांव की गतिविधियों पर नजर रखते हुए अवैधानिक गतिविधियों पर पूर्णतः रोक लगाया जाना है। साथ ही अब मिशन शक्ति को ध्यान में रखते हुए जिले के 701 बीट पर 180 महिला बीट का गठन किया गया है। इसमें प्रत्येक महिला बीट पर दो महिला आरक्षियों की तैनाती है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि गांव के पंचायत भवन में पहले ही मिशन शक्ति कक्ष की व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। महिला बीट में तैनात महिला आरक्षी प्रतिदिन एक गांव में पहुंचकर वहां की महिला आंगनबाड़ी, आशा, ग्राम प्रधान और अन्य महिलाओं से मिलकर उनको न सिर्फ महिला अपराध के बारे में जागरूक करेंगी, बल्कि उनके द्वारा सुझाए गए विचारों को अपने रजिस्टर में दर्ज कर उच्चाधिकारियों को भी सूचित करेंगी। इससे जहां न सिर्फ पुलिस मित्र की भूमिका को साकार किया जाएगा, बल्कि महिला अपराध पर प्रभावी नियंत्रण मिलेगा।

बाढ़ पीड़ितों की सेवा कर रहे समाजवादी नेता:मनीष पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। विधानसभा चिल्लूपार कछराअंचल के बाढ़ प्रभावित गांव गांव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर समाजवादी लोग जरूरतमंदों की अधिक से अधिक मदद करें इसी क्रम में समाजवादी पार्टी चिल्लू पार के वरिष्ठ नेता मनीष पांडे के द्वारा लगातार पांचवें दिन भी बाढ़ प्रभावित पीड़ित लोगों के बीच में जाकर ग्राम जगदीशपुर जो गांव पूरी तरह से नदी में विलीन हो गया है और सैकड़ों लोग बंदे पर अपना आशियाना बनाए हुए हैं प्रभावित कई गांव में पानी चारों तरफ से बना हुआ है जान जोखिम में डालकर पानी में हल कर जरूरतमंदों में जरूरतमंदों की आर्थिक मदद

जरूरत की सामग्री सब मिलाकर लगभग 15 किलो खाद्य पदार्थों आदि का अधिक से अधिक मात्रा में वितरित किया गया और भी की गई और बाढ़ प्रभावित लोगों को और अधिक से अधिक मदद करने का भरोसा दिलाया गया हमसे जितना हो संभव हो पाएगा हम आप लोगों की मदद करेंगे इस अवसर पर मुख्य रूप से मोहन पांडे, अभय पांडे विनोद, गुड्डू यादव प्रधान, शैलेश यादव, प्रभाकर ओझा धर्मेंद्र यादव, सोनू मौर्य, विशाल पांडे, सदानंद यादव, राजन तिवारी, रत्नेश यादव, बबलू यादव रासु मिश्रा, छोटू तिवारी, अनुज तिवारी, अंकुर पांडे, सर्वेश दुबे, संत प्रसाद, रमेश पांडे रामजी तिवारी शंभू नाथ मिश्रा, सोनू दुबे, अजमत खान, विवेकानंद पांडे चंचल पांडे, हसमत खान, रामजीवन मिश्रा, किशन कुमार यादव आदि बहुत संख्या में समाजवादी राहत सामग्री वितरण में सहयोग कर रहे लोग और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने गोरखपुर में लगाया जनता दरबार, 350 लोगों की सुनीं फरियाद

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगे जनता दरबार में 350 अधिक फरियादियों की समस्या सुनी और उनके समाधान का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन यहां गोखनाथ मंदिर में परंपरागत पूजा–अर्चना के बाद फरियादियों के बीच पहुंचे और 350 से अधिक फरियादियों की समस्या सुनी और समाधान की बावत अधिकारियों को निर्देश भी देते रहे। सीएम योगी ने यहां गुरू गोरक्षनाथ की विधिवत पूजा अर्चन की और उसके बाद ब्रहमलीन गुरू अवेद्यानाथ के समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। इसी क्रम मुख्यमंत्री गौशाला पहुंचे और गायों को गुड़ चना खिलाया। उसके बाद वह फरियादियों के बीच पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनी और समाधान का आश्वासन दिया। यह सिलसिला करीब साढ़े आठ बजे तक चला।

लखनऊ की भांति नगर पालिका बस्ती में लागू की जायेगी सेफ सिटी परियोजना

बस्ती 13 सितम्बर। लखनऊ की भांति नगर पालिका बस्ती में सेफ सिटी परियोजना लागू की जायेगी। इसका संचालन गृह विभाग के महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन द्वारा किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुये मण्डलायुक्त गोविन्द राजू एन.एस. ने इसका प्रस्ताव शासन को भिजवाने का अधिकारियों को निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को लागू करने के लिये मण्डलायुक्त अधिकारिता समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अन्तर्गत नगर पालिका क्षेत्र में इन्टीग्रेटेड स्मार्ट कण्ट्रोल रूम, पिंक बूंथ, पिंक पेट्रोल, आशा ज्योति केन्द्र, पिंक ट्वायलेट एवं लाइटनिंग कार्य कराये जायेंगे।

सेफ सिटी परियोजना के सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के ऐसे स्थलों का चयन किया जायेगा जहां महिलाओं, लड़कियों एवं किशोरियों का सर्वाधिक आना–जाना होता है। ऐसे स्थलों पर सी.सी. टी.वी. कैमरे लगवाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उनकी सुरक्षा के लिए इन्टीग्रेटेड स्मार्ट कण्ट्रोल रूम, पिंक बूंथ, पिंक पेट्रोल, आशा ज्योति केन्द्र, पिंक ट्वायलेट का अलग से भवन बनवाया जायेगा। इसके लिये भूमि चिन्हित किया जाएगा।

मण्डलायुक्त नें कानून व्यवस्था की समीक्षा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में त्योहार, पर्व मनाये जायेंगे। इसके अलावा आने वाले समय में चुनाव से सम्बन्धित तैयारी भी की जानी है। सभी सम्बन्धित अधिकारी सतर्क निगाह रखते हुये सुरक्षात्मक उपायों, रात्रि गस्त बढ़ाने तथा समय–समय पर मार्च पास्ट का आयोजन करें। इसके अलावा उन्होंने सीमा क्षेत्र के जनपद सिद्धार्थनगर की सीमा पर आई.एस.आई. गतिविधियों पर कड़ी निगाह रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बार्डर पर तैनात सभी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए तथा सूचनाओं का आदान–प्रदान तेजी से किया जाना चाहिए। बैठक में उन्होंने आबकारी विभाग द्वारा संचालित 28 अगस्त से 06 सितम्बर तक अभियान की समीक्षा किया तथा प्रवर्तन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में आई.जी. अनिल कुमार राय, जिलाधिकारी श्रीमती सौम्या अग्रवाल, दिव्या मित्तल, दीपक मीना, पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव, डा0 कौस्तुभ एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर उपस्थित रहे।

राष्ट्र संत थे ब्रह्मालीन महंत दिग्विजयनाथ व अवेद्यनाथ

महराजगंज। नौतनवा स्थित के एक मैरेज हाल में हिदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडेय की अध्यक्षता में ब्रम्हलीन महंत दिग्विजय नाथ व राष्ट्रसंत ब्रह्मालीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि श्रद्धा व विश्वास के साथ मनाई गई । बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने दोनों संतों के चित्र पर फूलमाला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडेय ने कहा कि ब्रह्मालीन महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज युग पुरुष रहे। उन्होंने अपने जीवनकाल में राष्ट्र, समाज व हिदू धर्म की संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य किए। उनका जीवन हिदुत्व के प्रति समर्पित रहा और उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके शिष्य महंत अवेद्यनाथ जी महराज ने उनके कार्यभार को संभालकर आगे बढ़ाने का कार्य किया। शिक्षा जगत में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर लोगों को शिक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके ब्रह्मालीन होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधूरे कार्यों को गति देते आ रहे हैं। वह बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास के नारे को सार्थक बनाने में प्रयासरत है। रूपनारायण मिश्रा, कृष्ण विहारी पाठक, धनंजय वर्मा, चंद्र प्रकाश पटेल, जनार्दन मिश्रा, एडवोकेट सत्य प्रकाश सिंह, अमरनाथ पांडेय, संतोष पांडेय, जगदीश साहनी, राधेश्याम गुप्ता, ओम प्रकाश, संतोष मोदनवाल, मुन्ना चौधरी, रामवचन गुप्ता, अर्जुन वरुण, राजकुमार गुप्ता, राधेश्याम यादव, शेषमन साहनी, ध्रुप नारायण, गोविद भारती, रामप्यारे, रामानंद, रामवेलास उपस्थित रहे।

सर्पदंश से सीडीपीओ के पति की मौत

महराजगंज। धानी ब्लाक की प्रभारी सीडीपीओ रीता मणि के पति रामकिरन तिवारी की सर्पदंश से मौत हो गई। रामकिरन तिवारी अपने सीडीपीओ पत्नी रीता मणि के साथ धानी बाजार स्थित स्टेट बैंक के पास एक किराए के मकान में रहते थे। रात सोते समय किसी जहरीले सर्प ने उनके कान के पास काट लिया। स्वजन उन्हें मेडिकल कालेज गोरखपुर ले गए। जहां इलाज के दौरान ..उनकी मृत्यु हो गई। वह मूल रूप से गोरखपुर जिले के गोला तहसील के पिपरी गांव के रहने वाले थे। कुछ माह पूर्व पुलिस विभाग से सेवा निवृत हुए थे।

पांच स्थानों पर मिले डेंगू के लार्वा, किया गया नष्ट

महराजगंज । डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों के रोकथाम के लिए मलेरिया विभाग की टीम अभियान चला रही है। पहले दिन पांच स्थानों पर लार्वा धनात्मक मिले, जिसे टीम ने दवा का छिड़काव कर नष्ट कर किया। वहीं तीन लोगों के विरुद्ध नोटिस जारी किया। जिला मलेरिया अधिकारी त्रिभुवन चौधरी ने बताया कि मलेरिया निरीक्षक राहुल कुमार सिंह, अंकित कुमार चौधरी तथा प्रीति आनंद ने सरोजनी नगर वार्ड में विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया तो पांच स्थानों पर धनात्मक लार्वा मिले। वहां पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई। आसपास के लोगों से डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों के रोकथाम के लिए जागरूक भी किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छर जनित स्थितियों को उत्पन्न करने वाले घर के मुखिया को नोटिस जारी करने तथा चालान काटने के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से जिला पंचायत राज अधिकारी व सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को पत्र लिखा गया है।

उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन की 88वीं सेमिनार में गरजे अधिवक्ता

सोनभद्र के वरिष्ठ कर अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन की 35वीं कार्यकारिणी बैठक एवं 88वीं विधि वाणी सेमिनार चित्रकूट के एक होटल सभागार में शनिवार को पूरे उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान प्रदेश भर के सभी जिलों से संगठन से जुड़े सैकड़ों अधिवक्ताओं ने ना सिर्फ प्रतिभाग किया बल्कि जीएसटी की खामियों पर जमकर प्रहार किया। सेमिनार में पहुंचे सोनभद्र के वरिष्ठ कर अधिवक्ता एवं संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने बड़े ही सुंदर एवं साहित्यिक ढंग से सेमिनार का सफल संचालन किया। सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि जगत नारायण पांडेय अध्यक्ष सिविल बार एसोसिएशन कर्वी ने कर अधिवक्ताओं की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जीएसटी के खामियां और कुछ उपलब्धियां भी गिनाई। संगठन के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह बघेल ने 35वीं कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन की उपलब्धियों के लिए सभी पदाधिकारियों एवं सम्मानित अधिवक्ताओं को बधाई दी और सभी से इसी ऊर्जा और लगन शीलता के साथ संगठित होकर संगठन को और ऊंचाइयों पर पहुंचाने की अपील भी की। कई अन्य वक्ताओं ने भी अधिवक्ताओ की समस्याओं व जी एस टी विषय पर अपने प्रकाश डालें और जीएसटी की खामियों की वजह से कर अधिवक्ताओं को हो रही दिक्कतों की भी बात उठाई। उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन प्रदेश पदाधिकारियो एवम जिला कर अधिवक्ता संघ कर्वी के पदाधिकारियों एवम सोंनभद्र से सेमिनार में पहुंचे उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमापति पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरनाथ मिश्रा,जोनल चेयरमैन मिथिलेश सिंह, जनार्दन पांडेय समेत कई अन्य कर अधिवक्ताओं ने बैठक का कुशल संचालन कर रहे संगठन के प्रति समर्पित भाव से लगे प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश शरण मिश्र को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम,लक्ष्मण व माँ सीता की पीतल की प्रतिमा भेंट कर तथा अंगवस्त्रम ओढाकर सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन चित्रकूट के जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ला एवं आयोजन के संयोजक अधिवक्ता कर्वी संजय अग्रवाल ने किया। उक्त जानकारी सेमिनार में प्रतिभाग कर लौटने के बाद रविवार को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता उमापति पांडेय ने हमारे विशेष संवाददाता को दी। उन्होंने बताया कि इस मौके पर प्रदेश भर के विभिन्न जनपदों से सैकड़ों की संख्या में संगठन से जुड़े कर अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

घोरावल तहसील परिसर में ग्राम न्यायालय का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। घोरावल तहसील में सोमवार को नवसृजित ग्राम न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधिकारी न्यायाधीश विजय शंकर गौतम का परिसर में आगमन पर अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया।बताते चलें कि घोरावल तहसील परिसर को न्यायाधिकारीध्मुंसिफ मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। उन्होंने सभा कक्ष में अधिवक्ताओं के साथ बैठक किया। बैठक में मुख्य रूप से यहां की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। समस्याओं पर अधिवक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त किया, जिस पर न्यायाधिकारी ने अपना सुझाव दिया और सभी ने मिल जुलकर कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि न्यायालय के क्षेत्राधिकार में जिन मुकदमो में दो वर्ष का प्राविधान है वह सब वाद की सुनवाई यहां पर होगी। पशु अतिचार अधिनियम व सिविल प्रक्रिया संहिता से सम्बन्धित क्षेत्राधिकार के अंतर्गत मुकदमे की सुनवाई भी यहां की जाएगी। तहसील अधिवक्ता समिति घोरावल के अध्यक्ष गोविंद नारायण झा ने बताया कि कि घोरावल तहसील परिसर में ग्राम न्यायालय के स्थापना हेतु लंबे समय से अधिवक्ताओं द्वारा मांग किया जाता रहा, जो तहसील निर्माण के 24 साल बाद फलीभूत होने जा रहा है। बहुत जल्द यहां ग्राम न्यायालय का संचालन शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर शशि कुमार मिश्रा, राम अनुजधर द्विवेदी, आशुतोष पांडेय, आदिनाथ मिश्रा, जय सिंह, प्रकाश सिंह, प्रयागदास, हरि प्रकाश वर्मा, सच्चिदानन्द चौबे आदि लोग मौजूद रहे।

यू0पी0 की सुदृढ़ कानून व्यवस्था से जनता ने ली राहत की सांस

प्रमोद पाण्डेय/
दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। किसी भी प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रदेश की कानून और व्यवस्था का दुरुस्त रहना बहुत ही आवश्यक होता है क्योंकि अराजकता भरे माहौल में न तो स्थानीय व्यापारी सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही विदेशी निवेशक रुचि लेते हैं। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा व सामाजिक खुशहाली भी कानून–व्यवस्था पर निर्भर करती है। कानून व्यवस्था को चाक–चौबन्द करने के लिए वर्तमान सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार ने लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर नगर, वाराणसी में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू की है। इस कदम से इन जिलों की कानून और व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 112 यू0पी0 परियोजना को सशक्त बनाते हुए संसाधनों में भी वृद्धि की गई है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षित वातारण उपलब्ध कराने के लिए लिंक सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181 सेवा के एकीकरण से प्रदेश की महिलाओं को सुरक्षित माहौल में जीने का अवसर प्राप्त हो रहा है। ''मिशन शक्ति'' के अन्तर्गत चलाये गये विशेष अभियान के तहत 5,26,538 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। इसके अलावा प्रदेश के 1,535 थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। 218 ''फास्ट ट्रैक कोर्ट'' महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित कार्यवाही कर सुरक्षा और विश्वास का वातावरण निर्मित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के एण्टीरोमियो अभियान ने महिला एवं बालिका सुरक्षा के नए कीर्तिमान प्रस्तुत किए हैं।

इस अभियान के तहत 10876 अभियोग पंजीकृत किए गए तथा 16045 के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गयी है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों में ''महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन'' की स्थापना महत्वपूर्ण है। वीमेन पावर लाइन पर प्राप्त कुल शिकायतों में से 99.6 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण एक बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश के कारागारों में अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए सभी कारागारों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए गए हैं।

दंगों एवं हिंसा के दौरान सार्वजनिक स्थानों में अशान्ति का माहौल तो बनता ही था साथ ही सार्वजनिक सम्पत्ति का भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता था। इस समस्या से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने हिंसात्मक कार्य में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही के साथ–साथ सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की वसूली के लिए लखनऊ एवं मेरठ मण्डल में दावा अधिकरण का गठन भी किया। सरकार द्वारा लोक एवं निजी सम्पत्ति की वसूली की कार्यवाही भू–राजस्व के बकाये के रूप में की जा रही है। ''उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स'' की स्थापना प्रदेश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए की गयी है। साथ ही ई–प्रॉसीक्यूशन प्रणाली त्वरित न्याय एवं समय की बचत की दृष्टि उपयोगी साबित हो रही है। ई–प्रॉसीक्यूशन प्रणाली के उपयोग में उत्तर प्रदेश देश भर में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश सरकार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन कर रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक लगभग 139 खूंखार अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया। गैंगेस्टर एक्ट के तहत 42,084 एवं राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत 589 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यह गर्व की बात है कि दुबई सरकार द्वारा वर्ष 2019 में आयोजित इण्टरनेशनल कॉल सेण्टर एवार्ड समारोह में यू0पी0 112 सेवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। यदि हम समग्ररूप से विचार करें तो प्रदेश की कुशल एवं प्रभावी कानून व्यवस्था ने अन्य प्रदेशों के सामने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बिमारी से तंग विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

चोपन थाना क्षेत्र के सलखन ग्राम पंचायत के वरवाटोला का मामला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन ग्राम पंचायत के वरवा टोला में सोमवार को 25 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक विवाहिता सोनी (25) सोनू उर्फ बीरबल निवासनी मनबसा थाना दुद्दी जनपद सोनभद्र, वह कुछ दिनो से अपने मैके पिता रामप्यारे के घर ग्राम पंचायत सलखन के बरवाटोला,थाना चोपन में रह रही थी। वह लम्बे समय से बिमार चल रही थी,उसी सिलसिले उसके ससुराल करमडाढ़ मनबसा दुध्दी से उसके ससुर रामप्रसाद गौड़ अपने पत्नी के साथ सोमवार को देखने आये हुए थे। इसी दौरान विवाहिता सोनी ने सुबह अचानक 8 बजे के लगभग एक कमरे में चली गई थी।परिजनों ने समझा कि सोनी आराम या सो रही होगी। लेकिन घंटो बीतने के पश्चात जब नहीं दिखाई दी तो लोगों ने आवाज दी तो कोई प्रतिक्रिया नहीं हुआ तो दरवाजा खोलना चाहा तो दरवाजा अंदर से बंद था जब खिड़की से देखा गया तो सफेद गमछे के सहारे घर के बड़ेल से लटक रही थी। दरवाजा तोड़ कर जब तक परिजन नीचे उतारते तब सोनी की सासें थम चुकी थी। जिसकी सुचना चोपन पुलिस को देने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय भेज दिया।

यू0पी0 की सुदृढ़ कानून व्यवस्था से जनता ने ली राहत की सांस

गोरखपुर 13 सितम्बर 21। किसी भी प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रदेश की कानून और व्यवस्था का दुरुस्त रहना बहुत ही आवश्यक होता है क्योंकि अराजकता भरे माहौल में न तो स्थानीय व्यापारी सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही विदेशी निवेशक रुचि लेते हैं। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा व सामाजिक खुशहाली भी कानून–व्यवस्था पर निर्भर करती है। कानून व्यवस्था को चाक–चौबन्द करने के लिए वर्तमान सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार ने लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर नगर, वाराणसी में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू की है। इस कदम से इन जिलों की कानून और व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 112 यू0पी0 परियोजना को सशक्त बनाते हुए संसाधनों में भी वृद्धि की गई है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षित वातारण उपलब्ध कराने के लिए लिंक सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181 सेवा के एकीकरण से प्रदेश की महिलाओं को सुरक्षित माहौल में जीने का अवसर प्राप्त हो रहा है। ''मिशन शक्ति'' के अन्तर्गत चलाये गये विशेष अभियान के तहत 5,26,538 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। इसके अलावा प्रदेश के 1,535 थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। 218 ''फास्ट ट्रैक कोर्ट'' महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित कार्यवाही कर सुरक्षा और विश्वास का वातावरण निर्मित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के एण्टीरोमियो अभियान ने महिला एवं बालिका सुरक्षा के नए कीर्तिमान प्रस्तुत किए हैं। इस अभियान के तहत 10876 अभियोग पंजीकृत किए गए तथा 16045 के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गयी है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों में ''महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन'' की स्थापना महत्वपूर्ण है। वीमेन पावर लाइन पर प्राप्त कुल शिकायतों में से 99.6 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण एक बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश के कारागारों में अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए सभी कारागारों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए गए हैं।

दंगों एवं हिंसा के दौरान सार्वजनिक स्थानों में अशान्ति का माहौल तो बनता ही था साथ ही सार्वजनिक सम्पत्ति का भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता था। इस समस्या से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने हिंसात्मक कार्य में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही के साथ–साथ सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की वसूली के लिए लखनऊ एवं मेरठ मण्डल में दावा अधिकरण का गठन भी किया। सरकार द्वारा लोक एवं निजी सम्पत्ति की वसूली की कार्यवाही भू–राजस्व के बकाये के रूप में की जा रही है। ''उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स'' की स्थापना प्रदेश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए की गयी है। साथ ही ई–प्रॉसीक्यूशन प्रणाली त्वरित न्याय एवं समय की बचत की दृष्टि उपयोगी साबित हो रही है। ई–प्रॉसीक्यूशन प्रणाली के उपयोग में उत्तर प्रदेश देश भर में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश सरकार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन कर रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक लगभग 139 खूंखार अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया। गैंगेस्टर एक्ट के तहत 42,084 एवं राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत 589 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यह गर्व की बात है कि दुबई सरकार द्वारा वर्ष 2019 में आयोजित इण्टरनेशनल कॉल सेण्टर एवार्ड समारोह में यू0पी0 112 सेवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। यदि हम समग्ररूप से विचार करें तो प्रदेश की कुशल एवं प्रभावी कानून व्यवस्था ने अन्य प्रदेशों के सामने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बुनियादी समस्याओं के निवारण को लेकर पवन पटेल ने राज्यपाल को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। समाजवादी छात्रसभा के जिला अध्यक्ष पवन पटेल के नेतृत्व व प्रदेश सचिव शिव नारायण सिंह की उपस्थिती में छात्रों की बुनियादी समस्याओं का निवारण कराए जाने की मांग को लेकर सोमवार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया. ज्ञापन सौपने के दौरान छात्रसभा जिलाध्यक्ष पवन पटेल व प्रदेश सचिव शिवनारायण सिंह अम्बुज ने संयुक्त रूप से कहा की वर्तमान सरकार छात्रों का उत्पीड़न कर रही है , कोरोना की वैश्विक महामारी में छात्रों की शैक्षिक व्यवस्था में व्यवधान उत्पल उत्पन्न होने के साथ अभिभावकों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वर्तमान परिवेश में आमजन का जीवनयापन अव्यवस्थित है। ऐसे समय मे सरकार द्वारा जीरो फीस की सुविधा समाप्त करना दलितों व कमजोर वर्ग के छात्रों पर कुठाराघात है। वही दूसरी तरफ पिछड़े व गरीब सामान्य वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति रोके जाने के वजह से छात्रों का पढ़ाई जारी रखना दुर्लभ हो गया है। जिस कारण से दलित , पिछड़े , अल्पसंख्यक व गरीब सामान्य वर्ग के छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर है । इसी दौरान छात्र सभा के महासचिव–अंकित सिंह राठौर व हिमांशु यादव पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान सरकार की मंशा छात्र–छात्राओं के प्रति एकदम सही नहीं है छात्र छात्राओं को अनपढ़ बनाना चाहती है नौजवान साथियों को रोजगार भी नहीं दे रही है साथ ही साथ एसएसटी छात्र–छात्राओं को जीरो फीस शिक्षा को भी बंद कर दिया है उनको हॉस्टल की सुविधा भी नहीं दीया जा रहा है और सरकार छात्र–छात्राओं उनको उचित व्यवस्था नहीं मिली तो हम सब आंदोलन के रास्ते छात्रों के हक , अधिकार व न्याय की लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस दौरान मौजूद रहने वालों में रहे जिला उपाध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष अंकित सिंह सर्वजीत यादव ओम प्रकाश सिंह अखिलेश यादव आयुष सिंह बलवंत सिंह महेश यादव लक्ष्मी नारायण उपाध्याय राहुल जायसवाल आलोक व राजेश यादव हिमांशु सेठ वह इत्यादि छात्र सभा के नौजवान मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को विवाह पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

प्रमोद पाण्डेय/दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन जिनकी शादी वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021–22 एवं विगत वित्तीय वर्ष 2020–2021 में हुई है, वह अपना विवाह पंजीकरण कराने के उपरांत शादी विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट पर कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत वर के दिव्यांग होने पर प्रोत्साहन राशि 15 हजार रुपए तथा वधु के दिव्यांग होने पर 20 हजार रुपए तथा वर–वधु दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपए की धनराशि उनके संयुक्त बैंक खातों में भेजा जाएगा। दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ हेतु विवाह के समय वर्ष की आयु 21 वर्ष तथा वधू की आयु 18 वर्ष से कम ना हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्मत दिव्यांगता प्रमाण पत्र 40: से कम ना हो, दंपत्ति में से कोई आयकर दाता ना हो, शर्तें पूरी करना अनिवार्य है। पात्र लाभार्थी आवेदन करते समय आय प्रमाण पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासबुक, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र व मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत 15 दिन के भीतर आवेदन पत्र की मूल प्रति विकास भवन स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय कमरा नंबर–5 में जमा करें, अधिक जानकारी के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी के मोबाइल नंबर 9452733260 पर संपर्क कर सकते हैं।

किया गया राजभाषा सप्ताह समारोह–2021 का आयोजन

गोरखपुर । पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय,गोरखपुर में 13 से 20 सितम्बर,2021 तक राजभाषा सप्ताह समारोह–2021 का आयोजन किया गया है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला के अन्तर्गत समारोह के प्रथम दिन 13 सितम्बर,2021 को सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण विद्यालय,गोरखपुर में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप महाप्रबन्धक/सामान्य श्री कृष्ण चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 'विज्ञान एवं खेलकूद : राजभाषा का प्रयोग' विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया । विज्ञान एवं खेलकूद : राजभाषा का प्रयोग' विषय पर आयोजित हिन्दी कार्यशाला में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप महाप्रबन्धक/सामान्य श्री कृष्ण चन्द्र सिंह ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सभी को 14 सितम्बर, हिन्दी दिवस की शुभकामनायें देते हुये कहा कि 14 सितम्बर,1949 को संघ सरकार की राजभाषा के रूप में हिन्दी को अंगीकार किया गया, तभी से इस दिवस की स्मृति में प्रति वर्ष भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों और बैंकों में राजभाषा सप्ताह/पखवाड़ा मनाया जाता है। इसी क्रम में यह कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि भाषा किसी भी देश की संस्कृति, सभ्यता, ज्ञान, विज्ञान एवं शिक्षा की सशक्त माध्यम होती है। तकनीकी क्षेत्रों की भाषा आज भी अंग्रेजी ही बनी हुई है। चाहे इंजीनियरिंग का क्षेत्र हो, चिकित्सा का क्षेत्र हो, वैज्ञानिक उन्नति अथवा खेलकूद का क्षेत्र हो। समय के साथ इन क्षेत्रों में राजभाषा हिन्दी का प्रारम्भ हो चुका है। हमारे विद्वान, मनीषी विचारक इस दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। विधि के क्षेत्र में पटना हाईकोर्ट तथा इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा निर्णय हिन्दी में दिये जा रहे हैं। इंजीनियरिंग एवं चिकित्सा के क्षेत्रों में भी हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। खेलकूद का क्षेत्र भी इससे अछूता नही है। श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलकूद से न केवल देश का गौरव बढ़ता है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की भाषाओं का भी आपसी मेलजोल होता है। इससे हमारी सामाजिक संस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है तथा सामाजिक सौहार्द मजबूत होता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुये आज की यह कार्यशाला काफी महत्वपूर्ण है। समारोह के विशिष्ट वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संजय वर्मा ने विज्ञान एवं खेलकूद के साथ हिन्दी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि हिन्दी की किताबें पढ़ने वाले कम हो रहे हैं इसलिए हिन्दी की किताबें एवं पब्लिकेशन बन्द होते जा रहे हैं। हिन्दी हमारी मातृभाषा है। हिन्दी में लिखी हुई किताबें आमजन को ज्यादा समझ में आती हैं इस पर हमें गौर करना चाहिए । उन्होंने कहा कि इन्टरनेट का लाभ तो बहुत है परन्तु इसका सदुपयोग कम हो रहा है। अन्य बहुत से देशों में तकनीकी विषय में जब भी कुछ नया आता है तो ऐसी सामग्री को वहाँ की अपनी स्थानीय भाषा में प्रचारित किया जाता है, परन्तु भारत में ऐसा नही है। अपनी मातृभाषा में जो विषय अच्छी तरह से समझ में आ जाते हैं वह अन्य भाषाओं में नहीं आते हैं। प्रोफेसर वर्मा ने पालीथिन के उपयोग के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला ।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अजय ऋषि, प्रधानाचार्य/विद्युत प्रशिक्षण केन्द्र एवं श्री सुधीर श्रीवास्तव, प्राचार्य/बहुविषयक प्रशिक्षण केन्द्र उपस्थित थे । कार्यशाला में मुख्यालय के साथ–साथ सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण विद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों एवं कार्मिकों ने भाग लिया । कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन तथा स्वागत सम्बोधन श्री ध्रुव कुमार श्रीवास्तव, राजभाषा अधिकारी ने किया । विशिष्ट अतिथि श्री वी.पी.सिंह, उप निदेशक/बहु विषयक प्रशिक्षण केन्द्र ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि इस कार्यशाला से राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को एक नई दिशा मिली है।

क्लाथ हाउस और ज्वैलर्स की दुकान में चोरों ने बोला धावा, लाखों का माला किया पार

सीतापुर। थाना नैमिषारण्य के अटवा बाजार मे शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने अब्दुल हसीब पुत्र शमसुददुहा उर्फ भोला की भोला क्लाथ हाउस एवं अब्दुल हसीब ज्वैलर्स की दुकान अटवा बाजार में दुकान के मेन गेट का ताला तोड़कर कपड़ा जेवर सहित लग भग सवा किलो चांदी की पायल, बिछिया करीब 15 हजार रुपए गिलट के जेवर एवं 12 हजार रुपए की नगदी चुराकर चंपत हो गए। सुबह आसपास के लोगों ने पीड़ित दुकानदार को ताला टूटे होने की सूचना दी। तो पीड़ित ने आकर देखा उपरोक्त सामान दुकान से गायब मिला । घटना की सूचना पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई । इतनी लंबी चोरी की सूचना पाकर नैमिषारण्य पुलिस के हाथ पांव फूल गए। थाना प्रभारी ने क्षेत्राधिकारी को भी घटना के संबंध में अवगत कराया। जिस पर आनन.फानन में वह भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल करके अग्रिम कार्यवाही करनी शुरू कर दी। थाना अध्यक्ष नैमिषारण्य विनोद मिश्रा ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। खुलासे का प्रयास किया जा रहा है ज्ञातव्य हो कि 1 वर्ष पूर्व भी इसी दुकान में लग भग 2 लाख रुपए की संपत्ति अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी । तब अटवा बाजार मिश्रित कोतवाली के अंतर्गत आती थी। इस घटना की रिपोर्ट मिश्रित कोतवाली में पंजीकृत हुई थी और खुलासा करके आरोपी जेल भेजे गए थे,रात अज्ञात चोरों ने उपरोक्त घटना को पुनः दूसरी बार अंजाम दे डाला है । मांमले में पुलिस क्या गुल खिलाएगी आगामी समय के साथ ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलवक्त भरी बाजार में घटित हुई उपरोक्त चोरी की भारी.भरकम घटना से लोगों में सनसनी फैल गई है। गौरतलब तो यह भी है । कि इसी दुकान के सामने आटवा बाजार में प्रत्येक रात पुलिस पिकेट ड्यूटी भी तैनात रहती है। फिर भी चोरी की भारी.भरकम घटना का घटित हो जाना पुलिस की पिकेट ड्यूटी पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है । आखिर घटना के समय पिकेट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी कहां गए थे।

नीति पर चलने वाले को करना पड़ता है कठिनाइयों का सामना: चिदम्बरानंद सरस्वती

सीतापुर। ब्रह्मविज्ञान पीठ नैमिषारण्य तीर्थ में 8 सितंबर से चल रही साथ दिवसीय भागवत कथा के चौथे दिन महामंडलेश्वर चिदम्बरानंद सरस्वती ने राजा मनु और सतरूपा के वंश का वर्णन किया । इसके साथ ही उन्होंने ध्रुव चरित्र, श्री रामचरित व कृष्ण जन्म की कथा सुनाई। चतुर्थ दिवस पर महाराज श्री ने ध्रुव चरित का विस्तार पूर्वक वर्णन भक्तों को करवाया। महामंडलेश्वर ने कहा कि संसार में नीति पर चलने वाले व्यक्ति को कठिनाई का सामना करना पड़ता है किंतु उसे ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है किंतु रुचि को ही जीवन आधार बनाने वाला अंत में दुख को ही प्राप्त होता है। समुद्रमंथन के दौरान जबठ देवता अमृत ले जा रहे थे तब इंद्रदेव ने बाली को मार दिया था जिसको शुक्राचार्य ने पुनः अपन मन्त्रो से जीवित कर दिया । युद्ध में पराजित होने के चलते राजा बली ने देवताओं से द्वेष हो गया और देवताओं को पराजित करने के उसने विराट यज्ञ किया । इंद्रदेव देवमाता अदिति के पास सहायता के लिए गए और उन्हें सारी बात बताई। देवमाता ने बिष्णु भगवान से वरदान माँगा कि वे उनके पुत्र के रूप में धरती पर जन्म लेकर बाली का विनाश करें। जल्द ही अदिति और ऋषि कश्यप के यहाँ एक सुंदर बौने पुत्र ने जन्म लिया। पांच वर्ष का होते ही वामन का जनेऊ समारोह आयोजित कर उसे गुरुकुल भेज दिया । अंतिम अश्वमेध यज्ञ समाप्त होने ही वाला था कि तभी दरबार में दिव्य बालक वामन पहुँच गया तीन पग में ही सारी भूमि नाप ली । इसके बाद कथाव्यास ने देवासुर संग्राम, वामन चरित्र, श्रीराम जन्म की कथा सुनाई।

गोपामऊ विधान सभा के पिहानी नगर में संपन्न हुआ भाजपा का विधानसभा प्रबुद्ध वर्ग का सम्मेलन

हरदोई।जीडीसी के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेउता विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की जिन समस्याओ पर अन्य सरकारों ने ध्यान नही दिया, उन्हें भाजपा ने दूर किया। उन्होंने कहा,कि काशी विश्वनाथ कारीडोर बनवाया, जिससे हम सभी लोग गंगा मैया के दर्शन कर सकते हैं और कहा इतना दिव्य और भव्य कुंभ मेले का आयोजन कराया।यह सब भारतीय जनता पार्टी में ही हो सकता है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने ही जय श्री राम का नारा दिया और मंदिर बनाने का बीड़ा उठाया और उसे सच कर दिखाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय बाजपेई उर्फ भुल्लन व संचालन नवनीत बाजपेई ने किया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण के माध्यम से महिला सुरक्षा के प्रति सरकार सजग है। धारा 370,राम मंदिर आदि पर विस्तार से बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने संकल्प को पूरा किया। विद्युतीकरण योजना से हर घर रोशन हुआ तो वहीं मुफ्त राशन बांटकर लोगों को सहायता दी गयी जबकि अन्य सरकारों में लोगो को महीनों राशन नही मिलता था।पार्टियों में जातिवाद भाई भतीजावाद है परंतु भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमें राष्ट्रवाद है इसीलिए मुझे अपनी पार्टी पर गर्व है। सांसद डॉ अशोक बाजपेयी ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसके कार्यकर्ता हमेशा पांच साल जनता की सेवा में लगा रहा,कोरोना जैसी महामारी में भी भाजपा कार्यकर्ता सेवा में लगे रहे। कहा कि पहले नौकरियां निकलती थीं, युवा अपना फार्म डालते थे और उन्हें फेल कर दिया जाता था क्योंकि लिस्ट सैफई से बनती थी। आज ऐसा नही है बिना किसी भेदभाव के योग्यता के हिसाब से ही उसे नौकरी मिल रही है। बोले देश का स्वाभिमान भाजपा में सुरक्षित है। उन्होंने कहा ,जिस देश का मुखिया कमजोर होगा, देश कभी तरक्की नहीं कर सकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हम कितना भी धन कमा लें ,कितनी बड़ी बड़ी बिल्डिंग बना लें, कितनी फैक्ट्रियां लगा लें, फिर भी हमारे देश का प्रतिनिधित्व अगर सही हाथों में नहीं है तो यह हमारे लिए बेकार है। उन्होंने कहा मोदी जैसा प्रधानमंत्री हमारे देश को मिला है हमारा देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। विधायक श्यामप्रकाश ने कहा कि अगर दोबारा सरकार नही बनी तो दिव्य और भव्य राममंदिर के निर्माण में रुकावट आ जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे विधानसभा क्षेत्र में कुछ लोग कहते हुए घूमते हैं इस बार पढ़ा लिखा विधायक चुनना है। उन्होंने कहा हम भी अनपढ़ नहीं है हम भी पोस्ट ग्रेजुएट हैं यदि हमारी सरकार को लगता है कि हम जिताऊ प्रत्याशी हैं तो हमें टिकट अवश्य देगी और हम पहले से भी ज्यादा वोटों से जीत कर आएंगे। कार्यक्रम के संयोजक पिहानी ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई,टड़ियावां ब्लॉक प्रमुख रविप्रकाश, गोपाल त्रिपाठी, महिपाल गौतम,सर्वेश जनसेवा, बृजेश गुप्ता,अजीत सिंह बब्बन आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और उन्हें स्मृतिचिन्ह भेंट किए गए। जिला महामंत्री एवं प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन प्रभारी अनुराग मिश्र भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पिहानी आदर्श सिंह सहित समस्त नगर मंडल टीम ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, सुबोध सिंह, महेश गुप्ता, पंकज बाजपेयी,अरुणेश तिवारी,गिरीश बाजपेई,पारुल दीक्षित, रामबक्श राठौर,कुलदीप दीक्षित,अरविंद यादव, मोनू मिश्रा,विपिन मिश्रा, बबलू द्विवेदी, मेवाराम राठौर,अवनेंद्र यादव,धीरज गुप्ता मौजूद रहे।

उप परिवहन आयुक्तलखनऊ ने अपने पैतृक गांव में जरूरतमंदों को भेंट किए वस्त्र

हरदोई।उप परिवहन आयुक्त लखनऊ ने अपने पैतृक गांव में 200 गरीब महिला पुरुष को वस्त्र वितरित कर सम्मानित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक आशीष कुमार आशू रहे। ब्लाक की ग्राम पंचायत सौंहार निवासी निर्मल प्रसाद लखनऊ में उप परिवहन आयुक्त के पद पर हैं। वह अपने पिता भीखा दास व श्रीकृष्ण की स्मृतिशेष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक आशीष कुमार सिंह ने क्षेत्र के 200 गरीब महिला व पुरूष को वस्त्र प्रदान करते हुए कहा कि यह बहुत ही पुनीत कार्य है जो गरीबो की सेवा के लिए समय निकालकर सम्मानित करे। उन्होंने कहा कि निर्मल प्रसाद जब से सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तब से हर वर्ष गरीबो को वस्त्र दान कर अपनो का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। माता पिता व गुरुजनों द्वारा मिले संस्कारो का परिणाम है। इस अवसर पर राघवेंद्र सिंह समीक्षा अधिकारी को भी विधायक ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जगत नरायन पाठक ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश चंद्र,मुकेश तिवारी,शिव मोहन राठौर, अनुराग कुमार सहायक अभियंता बांदा ,जय प्रकाश मिश्र ,सौहार प्रधान विजय कुमार शुक्ला सहित कई लोग मौजूद रहे।

मिशन बाइस में बाईसकिल को लाने का संकल्प दोहराया

कटरा बाजार गोण्डा।रामापुर के किसान डिग्री कालेज में विधान सभा कटरा बाजार समाजवादी पार्टी द्वारा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ सम्मेलन का आयोजन पूर्व विधायक रमेश गौतम द्वारा किया गया। सम्मेलन में जुटे कार्यकताओ ने मिशन बाइस में बाईसकिल को लाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि सपा से पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी सबका साथ, सबका विकास व सबका सम्मान का ख्याल रखते हुए कार्य करती है। सपा के राष्टीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सभी जाति वर्गों का सम्मान करते हुए बिना किसी भेदभाव के योजनाओ का संचालन किया था। विशिष्ट अतिथि मसूद आलम खां एवं भारतीय कोरी समाज के राष्टीय अध्यक्ष सुभाष चंद लहरी व सन्तोष कुमारी ने सभी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए आगाह किया कि सपा ही सभी जाति, धर्म व वर्ग की सच्ची हितैषी है। देश व संविधान को बचाने के लिए आगामी विधान सभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना जरूरी है। कार्यक्रम को आज्ञाराम पासवान, लाल चंद गौतम, संगमदास गौतम, देवी प्रसाद भारती, विधान सभा अध्यक्ष वकार खां ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में राम अवध गोस्वामी, मनोज शुक्ल, दद्दन शुक्ल, रूप नारायण प्रजापति, अर्जुन बाबा, कमलेश पासवान, पूरन गौतम, बाबूलाल कुरील, राम चरन कुरील, मनोज सोनकर, हजारी लाल पासवान व संजय शर्मा सहित हजारो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा वंशजों का सर्व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदानः अशोक विश्वकर्मा

हरदोई।ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के तत्वावधान में मिरगांवा के मंडी समिति परिसर में आज विश्वकर्मा सर्व समावेशी स्वाभिमान व भागीदारी सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि देश की समग्र सामाजिक व्यवस्था संक्रमण के दौर में है। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिवेश में सर्व समावेशी व्यवस्था समय की मांग है। उन्होंने कहा निजीकरण,उदारीकरण और वैश्वीकरण ने सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को कठिन बना दिया है। जिसके चलते सामाजिक और आर्थिक असमानता की खाई बढ़ रही है। धर्म का राजनीतिकरण हो गया है।धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक विचारों पर हमला हो रहा है। समाज के सभी समूहों के समग्र विकास हेतु बिना किसी भेदभाव के समानता और समृद्धि की दिशा में ठोस सरकारी प्रयास की जरूरत है।संगठित होकर सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने सरकार पर देवी देवताओं तथा महापुरुषों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने विश्वकर्मा पूजा का अवकाश रद्द करके सभी जातीय वर्ग के करोड़ों लोगों की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। समाज के आर्थिक विकास के लिए उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड की स्थापना एवं विश्वकर्मा पूजा दिवस 17 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर सर्व समावेशी सामाजिक सिद्धांत के फार्मूले को लागू किया जाएगा।विचार व्यक्त करने वाले लोगों में प्रमुख रूप से श्रीकांत विश्वकर्मा, डॉ प्रमोद कुमार विश्वकर्मा, नंदलाल विश्वकर्मा, सुरेश कुमार विश्वकर्मा,कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह सोमवंशी, प्रभारी जीत लाल सरोज,अनुपम दीक्षित, सहित कई लोग उपस्थित थे।

सपा की युवा, किसान, व्यापारी जागृति यात्रा का शुभारम्भ

हरदोई।समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा जीतू पटेल ने युवा,किसान,व्यापारी जागृति यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा समाजवादी पार्टी के अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव आदर्श दीपक मिश्र एडवोकेट के नेतृत्व में हरदोई से शाहाबाद पहुँचेगी। शाहाबाद विधान सभा में बूथ स्तर पर जाकर यह यात्रा के माध्यम से गॉव–गॉव जाकर युवाओं, किसानो,व्यापारियों को जागरूक किया जायेगा। इस यात्रा के सपापन दिवस पर भव्य सम्मेलन का आयोजन भी किया जायेगा। प्रदेश सचिव आदर्श दीपक मिश्र ने बताया कि इस यात्रा का उददेश्य युवाओं,किसानो, व्यापारियों को जागरूक करना है और सपा सरकार की विकास योजनाओं व नीतियों का गॉव–गॉव जन–जन तक प्रचास करना है और साथ पुराने समाजवादियों को इस यात्रा के दौरान सम्मानित भी किया जायेगा। यह यात्रा शाहाबाद विधान सभा के हर बूथ स्तर पर एंव सभी विधान सभाओं में जायेगी।

सपा जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा जीतू पटेल ने कहा कि समाजवादी पार्टी की विधान सभा की तैयारी विधानसभा वार पूरी हो चुकी है। सभी नेता कार्यकर्ता गॉव–गॉव जाकर सपा सरकार की नीतियो व विकास योजनाओं का प्रचार कर रहे हैं। उन्होने कहा कि जनता व कार्यकर्ताओं का एक ही लक्ष्य है कि 2022 में अखिलेश यादव प्रचण्ड बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनें।

भाजपा में भाई भतीजा वाद नहीं हैः रामजीवन

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला कार्य समिति की एक बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष रामजीवन जायसवाल की अध्यक्षता में नेहरू हाल में किया गया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकरिणी के समस्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री रामशंकर राजपूत ने संगठन कार्यकारिणी की सराहना करते हुए संघे शक्ति कलयुगे की विचारधारा पर काम करने की बात कहते हुए 2022 के चुनावों पुनः भाजपा सरकार बनाने की अपील की उन्होंने कहा कि आपकी संगठनात्मक संरचना और एकजुटता के बलबूते ही हमने 2017 के प्रदेश और वर्ष 2014 में देश मे भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने पिछड़े वर्ग की समस्याओं और उनकी पीड़ा को समझने और उन्हें न्याय और सम्मान दिलाने की अपील की उन्होंने संगठन के लोगो से पिछड़े वर्ग को आगे बढ़ाने और उसके इतिहास को गौर करने की बात कही। रामजीवन जायसवाल ने कहा कि समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हमारे भाई है उन्होंने समस्त पदाधिकारियों का परिचय कराया और सम्मानित किया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री अशोक राठौर जिला उपाध्यक्ष राकेश वर्मा हरीश पटेल डॉ महेश महेंद्र बंगाली रामसेवक यादव रिंकू रस्तोगी प्रेमदीप जायसवाल अजय यादव वेदप्रकाश जयसवाल पवन गिरी अमित जायसवाल माता प्रसाद रमेश गुप्ता दिनेश लाल धनपाल लोधी हरिमोहन वर्मा सहित तमाम कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

सत्ता परिवर्तन करने का बेसब्री से इंतजार कर रही जनताः इंद्रजीत

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी की जनादेश यात्रा की अगुवाई कर रहे राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, लूट, हत्या, डकैती अपने चरम पर है। सत्ता परिवर्तन करने के लिए प्रदेश की जनता बेसब्री से 2022 का इंतजार कर रही है। उन्होने उपस्थित सपाईयों का आहवान किया कि मिशन को फतह करने के लिए सभी कार्यकर्ता जी–जान से जुट जाएं। जनादेश यात्रा का जिले की सीमा कटोघन टोल प्लाजा से लेकर कार्यक्रम स्थल तक जगह–जगह भव्य स्वागत हुआ। यात्रा को सफल बनाने के लिए जिले की सभी विधानसभाओं के संभावित प्रत्याशियों ने भीड़ एकत्रित करके ताकत का एहसास कराया। मिशन 2022 को फतह करने के लिए समाजवादी पार्टी की ओर से जनादेश यात्रा निकाली जा रही है। प्रयागराज जनपद में प्रवास करके यात्रा राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज की अगुवाई में जिले पहुंची। जनपद सीमा कटोघन टोल प्लाजा पर उपस्थित सपाईयों ने यात्रा में शामिल पार्टीजनों का फूल–माला पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात खागा, थरियांव, बिलंदा, हस्वा के अलावा शहर सीमा लोधीगंज, पक्का तालाब, भिटौरा बाईपास में भी सपाईयों ने रोक कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा जब जिले की सीमा पर पहुंची तो स्थानीय सपाईयों के साथ–साथ जिले की सभी छह विधानसभाओं के संभावित प्रत्याशी अपने वाहनों व समर्थकों के साथ यात्रा में शामिल हो गए। सैकड़ों की संख्या में वाहन कार्यक्रम स्थल जमालपुर स्थित एक इंटर कालेज पहुंचे। जहां यात्रा एक सभा में तब्दील हो गई। सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव एवं आयोजन जिला सचिव राजू साहू ने किया। कार्यक्रम आयोजक श्री साहू ने राष्ट्रीय महासचिव का 51 किलो की माला व प्रतीकात्मक साइकिल भेंटकर स्वागत किया। तत्पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार सभी मोर्चों पर विफल हो गई है। प्रदेश में अराजकता का माहौल है। महंगाई अपने चरम सीमा को पार कर गई है। गृहस्थी का बजट बिगड़ने के साथ–साथ लोगों की आय भी कम हुई है। जिससे अब परिवार चलाने के साथ–साथ बच्चों की शिक्षा तक की व्यवस्था कर पाना अभिभावकों के लिए मुश्किल हो रहा है। उन्होने कहा कि प्रदेश में अपराधों का ग्राफ बढ़ा है। लूट, हत्या, डकैती व बलात्कार की घटनाओं पर अंकुश लगा पाने में सरकार के साथ–साथ स्थानीय प्रशासन नाकाम है। ग्रामीण क्षेत्रों की बात की जाए तो किसान भी खुशहाल नहीं है। न तो समय पर खाद, बीज उपलब्ध हो रहा है और न ही पानी मिल रहा है। जिससे किसानों को खेती–किसानी में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होने कहा कि अब जनता योगी सरकार के झूठे वादों को समझ चुकी है और बेसब्री से सत्ता परिवर्तन करने के लिए 2022 का इंतजार कर रही है। उन्होने सपाईयों का आहवान किया कि एकजुटता के साथ गांव–गांव जाकर पूर्ववर्ती सपा सरकार की उपलब्धियां व योजनाओं को गिनाने का काम करें। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए कोई कोर कसर न छोड़ें। इस मौके पर महामंडलेश्वर सत्यात्मानंद जी महाराज, राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद, पूर्व सांसद डा. अशोक पटेल, पूर्व विधायक मदन गोपाल वर्मा, पूर्व विधायक मो. सफीर, संतोष द्विवेदी, हाजी रजा, हाजी रफी अहमद, ठा. सतीश राज सिंह, जगदीश उर्फ जालिम सिंह, अरूणेश पांडेय, बलिराज उमराव एडवोकेट, सुरेन्द्र सिंह यादव, दलजीत निषाद, वीरेन्द्र यादव, नफीस उद्दीन, चौधरी मंजर यार, राजू कुर्मी, वंदना राकेश शुक्ला, जंग बहादुर सिंह मखलू, रवीन्द्र यादव, केतकी सिंह यादव, रीता प्रजापति, नफीसा बानो, अनु मिश्रा, कविता अग्निहोत्री, संगीता राज पासी, कुश वर्मा, इंद्रसेन यादव, हीरालाल साहू, जेपी यादव, अरूण कुमार सोनकर, तनवीर हुसैन, ठा. उदय सिंह, मो. साबिर एडवोकेट, मुलायम सिंह यादव, परवेज आलम, यासिर सफीर, कलीम शेख, अंकित यादव भी मौजूद रहे।

रंगदारी मांगने पर दो कथित पत्रकारों पर केस

जौनपुर। खुटहन अस्पताल रोड स्थित एक निजी चिकित्सालय की संचालिका की महिला रिश्तेदार से दो कथित पत्रकारो के द्वारा धौंस जमाकर 30 हजार रुपये मांगे जाने का आडियो वायरल हुआ है। मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर स्थानीय थाने में अवैध वसूली व जान से मारने की धमकी की धाराओं में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने उगाही के प्रयास का आडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया और पुलिस अधीक्षक को सौंपा। जिसे गंभीरता से लेते हुए केस दर्ज कर आरोपितो की तलाश शुरू कर दी गई है। कैराडीह गांव निवासी महिला आशा यादव ने बताया कि उक्त निजी चिकित्सालय उनके रिश्तेदार के द्वारा संचालित है। लगभग एक सप्ताह पूर्व सरपतहा थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी प्रसूता की जिले के किसी निजी चिकित्सालय में मौत हो गयी थी। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद दो खुद को पत्रकार बताते हुए रिश्तेदार के चिकित्सालय पर पहुंच गये। उनका आरोप था कि प्रसूता की इसी चिकित्सालय पर मौत हुई है। कथित पत्रकार अस्पताल की बीडीओ भी बनाने लगे। अस्पताल से जाने के बाद उक्त कथित पत्रकारो ने फोन कर 30 हजार रूपये की मांग की। जिसे न देने पर अस्पताल को बदनाम करने के साथ अस्पताल में बवाल कराने और जान से मार देने की धमकी दिया। जिसका उसने आडिओ भी बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय थाने पर उसकी सुनवाई न होने पर उसने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई। जिनके निर्देश पर केस दर्ज किया गया।उक्त मामले में थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

टिकट दलाल गिरफ्तार

जौनपुर। शाहगंज में आरपीएफ की टीम ने टिकट दलालों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के क्रम में एक टिकट दलाल को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अनूप सिन्हा अपने मातहतों के साथ टिकट दलालों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के क्रम में टिकट खिड़की पर छापामारी किया। मौके से भाग रहे टिकट दलाल राकेश कुमार पुत्र जद्दू प्रसाद निवासी अर्गूपुर कला को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान दो तत्काल आरक्षण श्रेणी टिकट बरामद हुआ। पुलिस ने रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर चालान न्यायालय भेज दिया। आरपीएफ पुलिस की इस कार्रवाई से दलालों में हड़कंप मच गया है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

अब एमेजॉन प्राइम पर जलवा दिखाएगी अक्षय कुमार की बेल बॉटम

एमेजॉन प्राइम वीडियो ने यह घोषणा की है कि वह अक्षय कुमार स्टारर जासूसी थ्रिलर फिल्म श्बेल बॉटमच्य के प्रीमियर की विशेष रूप से स्ट्रीमिंग करेगा. भारत और 240 से भी ज्यादा देशों और क्षेत्रों में मौजूद प्राइम सदस्य इस फिल्म को एमेजॉन प्राइम वीडियो पर 16 सितंबर, 2021 से स्ट्रीम कर सकते हैं. रंजीत एम तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा वाणी कपूर, हुमा कुरैशी, लारा दत्ता, आदिल हुसैन और अनिरुद्ध दवे सहित सितारों की एक रोमांचक लाइन–अप मौजूद है. बेल बॉटम का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख, मोनीषा आडवाणी, मधु भोजवानी एवं निखिल आडवाणी ने अपने–अपने बैनर पूजा इंटरटेनमेंट और एम्मे इंटरटेनमेंट के तहत किया है. एक्शन से भरपूर यह थ्रिलर दम साधने वाला रोमांच ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पेश करने जा रही है. 80 के दशक में घटित प्लेन हाईजैकिंग की असली घटनाओं से प्रेरित यह कहानी श्बेल बॉटम कोड्य नेम वाले अज्ञात हीरो के बेमिसाल पराक्रम को दर्शाती है.

अक्षय कुमार 210 बंधकों को अपहरणकर्ताओं से मुक्त कराने के गुप्त मिशन पर निकले एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभाते हुए इस फिल्म में दिखाई दिए थे. यह फिल्म पिछले महीने यानी 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस फिल्म को थिएटर्स में दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पांस मिला. लगभग एक महीना बीतने पर इस फिल्म को उन दर्शकों के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा, जो इसे सिनेमाघर में देखने के लिए नहीं गए. साथ ही दुनिया भर के दर्शकों के लिए विशेष रूप से इसे स्ट्रीम किया जाएगा. एमेजॉन प्राइम वीडियो (इंडिया) के डायरेक्टर और हेड (कंटेंट) श्री विजय सुब्रमण्यम ने कहा, हमारे दर्शकों को एक्शन और थ्रिलर कहानियां बहुत पसंद आती हैं. उनके सामने बेल बॉटम को पेश करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है. इस फिल्म को हमारे दर्शकों ने खूब पसंद किया है और हम इसकी कहानी को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं. दिलचस्प स्क्रिप्ट और शानदार अभिनय से सजी यह फिल्म हमारी कंटेंट लाइब्रेरी का नगीना है.

फिल्म के निर्देशक रंजीत एम तिवारी का कहना है, मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि एमेजॉन प्राइम वीडियो के माध्यम से मेरी फिल्म ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंच रही है. यह सूने में बुझ जाने वाले असली नायक की कहानी है, जिसे हरेक व्यक्ति को बताना मैंने उचित समझा. फिल्म में एक दिलचस्प प्लॉट का उपयुक्त मिश्रण मौजूद है. अभिनेताओं ने अपने–अपने किरदारों में अपना सब कुछ झोंक दिया है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगा.

एमेजॉन पर फिल्म रिलीज करने से बेहतर और क्या हो सकता हैज् ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म की स्ट्रीमिंग को लेकर अक्षय कुमार बोले, सिनेमाघर खुल जाने के बाद इस कहानी को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का वक्त आ गया है और इसके लिए एमेजॉन प्राइम वीडियो पर बेल बॉटम को रिलीज करने से बेहतर तरीका क्या हो सकता है. मुझे उम्मीद है कि एमेजॉन प्राइम वीडियो 240 से भी ज्यादा अन्य देशों और क्षेत्रों तक अपनी पहुंच के दम पर एक अनसंग हीरो की इस दास्तान को दूर–दूर के दर्शकों तक पहुंचाएगा.

बात को आगे बढ़ाते हुए प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने कहा, रंजीत एम तिवारी और पूरी कास्ट व क्रू ने एक संपूर्ण ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए मनोरंजन का स्तर उठाते हुए बेल बॉटम पर कड़ी मेहनत की है. हाल ही में मैंने देखा है कि दर्शक ऐसी एक्शन थ्रिलर देखने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जो उन्हें अपनी सीट पर चौन से बैठने नहीं देतीं. इस फिल्म को डिजिटल रूप से रिलीज करने के लिए एमेजॉन प्राइम वीडियो से हाथ मिलाकर मैं बेहद खुश हूं, जो हमें दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में पहुंचा सकता है.

विक्रम गोखले के साथ काम करना स्कूल जाने जैसा : रूपाली सूरी

युवा अभिनेत्री रूपाली सूरी ने हाल ही में दिग्गज अभिनेता विक्रम गोखले के साथ एक लघु फिल्म की शूटिंग पूरी की है। अभिनेत्री ने कहा कि शुरू में दबाव था, लेकिन आखिरकार उन्होंने

दिग्गज अभिनेता से बहुत कुछ सीखा। रूपाली ने कहा, उनके (गोखले) के साथ काम करना अपने आप में एक दबाव है। जब वह बोलते हैं, तो आप जानते हैं कि वह किस तरह का ध्यान आकर्षित करते हैं, क्योंकि लोग उन्हें सुनते हैं। सबसे ऊपर, विक्रम सर बहुत सीधे–सादे हैं और अक्सर कहते हैं कि वह मुझसे भी बहुत कुछ सीखा है! यह एक स्कूल की तरह था। मैंने अभिनय और फिल्म निर्माण के दिग्गजों के सामने खुद को आत्मसमर्पण कर दिया। लघु फिल्म को पंक्तियों के बीच दर्शकों के लिए एक संदेश के साथ एक मजाकिया बताया गया है। गोखले ने कहा, हर फिल्म, लघु या फीचर, में हमेशा एक संदेश होना चाहिए। संजय रावल द्वारा निर्देशित, लघु फिल्म में सिनेमैटोग्राफर के रूप में भावेश रावल हैं। जैसा कि फिल्म दोस्ती के बारे में है, रूपाली ने कहा, एक छोटे बच्चे से लेकर एक वरिष्ठ नागरिक तक, कोई भी तब तक दोस्त हो सकता है जब तक संबंध है। यह एक जैविक संबंध है। शीर्षकहीन फिल्म वर्तमान में पोस्ट–प्रोडक्शन चरण में है।

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी की इस तरह करें देखभाल, हमेशा रहेगी नई जैसी

आजकल ऑक्सीडाइज ज्वेलरी काफी ट्रेंड में है। यह ज्वेलरी कई अलग डिजाइन में महिलाओं की खूबसूरती पर चार चांद लगाती है और इसकी कीमत भी कम होती है। शायद इसलिए इसका चलन सोने, चांदी या डायमंड से भी ज्यादा बढ़ गया है। हालांकि ऑक्सीडाइज ज्वेलरी की चमक को बरकरार रखने के लिए इसकी ठीक से देखभाल करना जरूरी है। आइए ऑक्सीडाइज ज्वेलरी की देखभाल करने का तरीका जानते हैं ताकि ये हमेशा नई जैसी बनी रहे।

परफ्यूम या ब्यूटी प्रोडक्ट्स से बचाएं

अगर महिलाएं कभी भी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी पहनती हैं तो उन्हें इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि यह किसी तरह के परफ्यूम या फिर अन्य ब्यूटी प्रोडक्ट्स के संपर्क में न आएं। दरअसल, इन चीजों के संपर्क में आने से ज्वेलरी के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जब भी महिलाएं ब्यूटी प्रोडक्ट्स और परफ्यूम लगाएं तो इनके अच्छी तरह से सूखने के बाद ही ऑक्सीडाइज ज्वेलरी पहनें।

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को ऐसे करें साफ

अगर कभी भी महिलाओं को अपनी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी गंदी लगती है तो इस पर टूथपेस्ट पाउडर लगाएं और फिर किसी साफ मुलायम कपड़े से पोंछकर इसे साफ करें। वहीं अगर ऑक्सीडाइज ज्वेलरी से धब्बे या कालापन हटाना है तो इस पर अच्छे से बेकिंग सोडा छिड़कर आधे घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। फिर इसे गर्म पानी से धोकर तुरंत ही टिश्यू पेपर से पोंछकर सुखाएं। इसके बाद इसे स्टोर करें।

नमी से रखें दूरः ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को कभी भी नमी वाली जगह पर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इस वजह से ये जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए जब भी महिलाएं अपनी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को स्टोर करें तो इसे बिल्कुल भी हवा और नमी के संपर्क में न रखें। बेहतर होगा कि महिलाएं ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को जिप लॉक प्लास्टिक पाउच में रखकर किसी एयर टाइट बॉक्स में रखें। इससे ज्वेलरी के टूटने का खतरा कम होगा और इसकी चमक भी हमेशा नई जैसी बरकरार रहेगी।

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को स्टोर करने का सही तरीकाः ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को एयर टाइट बॉक्स में स्टोर करना अच्छा तरीका है। हालांकि जब महिलाएं ज्वेलरी एयर टाइट बॉक्स में स्टोर करने वाली हो तो इससे पहले बॉक्स में किसी सॉफ्ट कपड़े की लेयर या रूई या फिर टिश्यू पेपर लगाएं ताकि ये नमी को पूरी तरह से अपने अंदर सोख ले और ज्वेलरी लंबे समय तक खराब न हो। ध्यान रखें कि आपको ज्वेलरी इस तरह बॉक्स में रखनी है कि वो आपस में न उलझे।

विस्फोट से बॉलीवुड में वापसी करेंगे फरदीन खान

फरदीन खान को बॉलीवुड में किसी परिचय की जरूरत नहीं है। उन्होंने कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। फरदीन को लंबे समय से बॉलीवुड के पर्दे पर नहीं देखा गया है। उन्हें आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म दूल्हा मिल गया में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह संजय गुप्ता की फिल्म विस्फोट से बॉलीवुड में अपनी वापसी करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर संजय की अगली फिल्म विस्फोट से बॉलीवुड की फिल्मों में फरदीन वापसी करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि फरदीन ने यह फिल्म साइन कर ली है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में मशहूर अभिनेता रितेश देशमुख भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने वाले हैं। फिल्म का शीर्षक विस्फोट रखा गया है, जिसमें फरदीन टैक्सी ड्राइवर और एक पूर्व ड्रग डीलर की भूमिका में नजर आएंगे।

रितेश फिल्म में एक कमर्शियल एयरलाइन पायलट की भूमिका को अदा करते हुए दिखेंगे। कहा जा रहा है कि यह फिल्म फरदीन के कैरेक्टर के इर्दगिर्द घूमती है, जो गलती से रितेश के बेटे का अपहरण कर लेता है। विस्फोट एक अकेडेमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड विदेशी भाषा की फिल्म की हिन्दी रीमेक होगी। संजय पिछले तीन साल से इस फिल्म को बनाने की योजना बना रहे हैं। फिल्म का निर्देशन समित कक्कड़ करेंगे।

समित ने इससे पहले हाफ टिकट और एमएक्स प्लेयर के शो इंदौरी इश्क का निर्देशन किया है। अब्बास दलाल और हुसैन दलाल ने विस्फोट का लेखन किया है। निर्माता अगले साल की शुरुआत में फिल्म का प्रोडक्शन शुरू कर सकते हैं। संजय के बैनर व्हाइट फीचर फिल्म्स के साथ एक स्टूडियो के आने के बाद फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना पर काम शुरू होगा। फरदीन के नो एंट्री के सीक्वल में भी दिखने की खबरें सामने आई थीं।

दिवंगत अभिनेता फिरोज खान के बेटे फरदीन के करियर की बात करें तो उन्होंने 1998 में फिल्म प्रेम अगन से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 2000 में रिलीज हुई फिल्म जंगल में दिखे थे। यहीं से फरदीन को पहचान मिलनी शुरू हुई थी। वह ओम जय जगदीश, फिदा, नो एंट्री और हे बेबी जैसी फिल्मों का भी हिस्सा बने। अब इंतजार है कि फरदीन अपनी कमबैक फिल्म में कैसा जौहर दिखा पाते हैं।

दोबारा गर्म करके चाय क्यों नहीं पीना चाहिए?

हम में से ज्यादार लोग चाय के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं. इसका लाजवाब स्वाद हम में से ज्यादातर लोगों को पसंद होता है. चाय एक इंसान को दूसरे से जोडने का काम करता है. चाय में कई तरह के प्राकृतत्व होते हैं जिसे पीने का बाद हम तरोताजा महसूस करते हैं. ये हमारी एनर्जी को बढ़ाने का कम करते हैं. अक्सर ऑफिस में काम की थकान को दूर करने के लिए चाय पीते हैं. हालांकिस कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा चाय पीने की आदत होती है.

ऐसे में कई बार हम लोग चाय बनाने में आलस करते हैं जिसकी वजह से एक बार में अधिका मात्रा मे चाय बनाकर रख लेते हैं और उसे समय– समय पर गर्म करके पीते रहते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार– बार चाय को गर्म करके पीना सेहत को काफी नुकसान पहुंचता है. आइए जानते हैं चाय को बार– बार गर्म करके क्यों नहीं पीना चाहिए.

स्वाद और स्मेल खराब होता है

बार– बार चाय को गर्म करने से उसका स्वाद और खूशबू उड़ जाती है. ये दोनों चीजें चाय की खासियल होती है. इसके अलावा बार– बार चाय गर्म करने से इसके पौषक तत्व भी कम हो जाते है.

बैक्टीरियल ग्रोथ बढ़ जाता है

ज्यादा देर बाद बनी हुए चाय को दोबारा पीना सेहत के लिए हानिकारक होता है. क्योंकि चाय में माइक्रोबियल बनने लगते हैं. ये माइल्ड बैक्टीरिया सेहत के लिए हानिकारक होते हैं. ज्यादातर घरों में दूध वाली चाय बनती हैं जिसमें दूध की मात्रा अधिक होती है. इस वजह से माइक्रोबियल खतरा बढ़ जाता है. वहीं, हर्बल चाय को बार– बार गर्म करने से उसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं.

सेहत के लिए हानिकारक

चाय को बार– बार गर्म करके पीना सेहत के लिए खतरनाक होता है. क्योंकि इसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं. अगर आप अपनी इस आदत को नहीं बदलते हैं तो लंबे समय बाद पेट खराब होने पेट दर्द. इंफ्लामेशन आदि बीमारियां हो सकती हैं. ये आदत आपके सेहत के लिए नुकसानदायक होता है.

चाय से जुड़ी ये बातें जान लें

1. चाय बनने के 15 मिनट बाद उसे गर्म करते हैं तो उससे आपको कोई नुकसान नहीं होता है.
2. लंबे समय बाद चाय को गर्म करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है.
3. हमेशा उतनी ही चाय बनानी चाहिए जितना आप उस समय में खत्म कर लें ताकि बाद के लिए चाय बचनी ही नहीं चाहिए.